



खबरें छापते हैं छुपाते नहीं
दैनिक प्रभात संस्करण
हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।
www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी बातें

गोल्ड मेडल विजेता सुरुचि को मुख्यमंत्री और खेल मंत्री नै फ़ोन पर दी बधाई

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हाल ही में एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा का नाम रोशन करने वाली मेधावी निशानेबाज सुरुचि फोगाट का सोमवार को झरूर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। जिला प्रशासन की ओर से डीसी वर्षा खंगवाल ने सुरुचि इंद्र सिंह को शाल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें एपीसीपीएल की ओर से सीएसआर के अंतर्गत स्पोर्ट्स इक्विपमेंट भी प्रदान किए गए और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस बीच गोल्ड मेडल विजेता सुरुचि को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, खेल मंत्री गौरव गौतम और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने फ़ोन पर बधाई देकर जीवन में निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डीसी वर्षा खंगवाल ने सुरुचि फोगाट और उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि सुरुचि की उपलब्धि जिले के अन्य खिलाड़ियों, विशेषकर युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर खिलाड़ी बड़े से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं। जिला प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन दिया जाता रहेगा।

सुरुचि फोगाट ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतना है। उन्होंने कहा कि वह इसके लिए पूरी मेहनत और लगन के साथ तैयारी करेंगी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां, पिता और पूरे परिवार के सहयोग को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

भू-राजनीतिक संकटों के बावजूद भारत ने सुनिश्चित की ऊर्जा आपूर्ति, ऊर्जा कूटनीति रही सफल: हरदीप पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि हाल के भू-राजनीतिक संकटों और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों के बावजूद भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई ऊर्जा कूटनीति और पिछले एक दशक में की गई रणनीतिक तैयारियों का परिणाम है। राष्ट्रीय राजधानी में मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सदस्यों को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा कि आज ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि संयंत्रों, रणनीतिक समुद्री मार्गों में रुकावटों, कीमतों में अस्थिरता और अचानक आने वाले व्यवधानों के बीच भी देश की अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से चलाए रखना है। उन्होंने कहा, "भारत इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना इसलिए कर सका क्योंकि ऊर्जा क्षेत्र ने पहले से ही व्यापक तैयारी कर ली थी। पिछले 10 वर्षों में भारत ने कच्चे तेल के आयात स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक किया है। इसके साथ ही 5.33 मिलियन टन रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार किए गए, रिफाइनिंग क्षमता 215 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 267 एमएमटीपीपी की गई और देशभर में ईंधन आउटलेट्स की संख्या लगभग 52,000 से बढ़कर एक लाख से अधिक हो गई।"

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि एलपीजी आयात टर्मिनलों की संख्या भी 11 से बढ़ाकर 22 कर दी गई है।

डिजिटल टोलिंग को नई गति, 'फास्टैग एनुअल पास' ने छुआ 1 करोड़ का आंकड़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि 'फास्टैग एनुअल पास' ने लॉन्च के बाद एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एक करोड़ उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है। यह योजना पिछले वर्ष 15 अगस्त को शुरू की गई थी और राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा करने वाले वाहन चालकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, यह वार्षिक पास देशभर के लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है, जिनमें राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस सुविधा के तहत वाहन मालिकों को बार-बार फास्टैग रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़ती। एक बार 3,075 रुपए का भुगतान करने पर पास एक वर्ष या 200 टोल क्रासिंग तक वैध रहता है। मंत्रालय ने बताया कि यह सुविधा सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए उपलब्ध है, जिनमें वैध फास्टैग लगा हुआ है। एकमुश्त शुल्क का भुगतान राजमार्ग यात्रा ऐप के माध्यम से करने के बाद वार्षिक पास वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर ही सक्रिय हो जाता है।

सरकार का कहना है कि फास्टैग एनुअल पास को मिल रही बढ़ती स्वीकृति यह दर्शाती है कि यह योजना राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध और किफायती यात्रा को बढ़ावा देने में प्रभावी साबित हो रही है।

भारत में अगस्त में ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर्स 1,101मिलियन के पार, डिजिटल कनेक्टिविटी को मिली नई मजबूती: सरकार

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या जुलाई 2026 के 1,094.48 मिलियन से बढ़कर अगस्त 2026 के अंत तक 1,101.21 मिलियन हो गई। इस दौरान ब्रॉडबैंड ग्राहकों में 0.61 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि अगस्त के दौरान 1.583 करोड़ उपभोक्ताओं ने मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के लिए आवेदन किया। वहीं अगस्त में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की संख्या, पीक विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) के आधार पर, 1,207.59 मिलियन रही। वायरलाइन सेवाओं में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। जुलाई 2026 के अंत में जहां वायरलाइन ग्राहकों की संख्या 48.01 मिलियन थी, वहीं अगस्त के अंत तक यह बढ़कर 48.45 मिलियन हो गई। इस दौरान वायरलाइन ग्राहकों में 4.4 लाख की शुद्ध बढ़ोतरी हुई और मासिक वृद्धि दर 0.93 प्रतिशत रही। देश में वायरलाइन टेली-घनत्व (टेली डेंसिटी) भी बढ़ा है। यह जुलाई के 3.36 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 3.39 प्रतिशत तक पहुंच गया।

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

LPU में हिंसा के एक दिन बाद पसरा सन्नाटा, भारी पुलिस बल तैनात; 40 हजार में आधे से ज्यादा छात्र लौटे घर

जालंधर- लक्ली प्रोपेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) में रविवार को हुए हिंसक प्रदर्शन और आगजनी के एक दिन बाद सोमवार को कैंपस में तनावपूर्ण शांति नजर आई। विश्वविद्यालय परिसर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा। रविवार को छात्रों के प्रदर्शन के कारण करीब 21 घंटे तक बाधित रहा नेशनल हाईवे-44 पर आधी रात के बाद यातायात बहाल कर दिया गया।

हिंसा के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने नुकसान का जायजा लेने और सफाई का काम शुरू कर दिया है। कैंपस के बाहर पत्ताईं और पर आग के हवाले किए गए पुलिस वाहनों को हटाने के लिए क्रैम की मदद ली गई। विश्वविद्यालय परिसर में क्षतिग्रस्त संपत्ति को भी साफ कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कुछ नकाबपोश बाहरी लोग भी परिसर में देखे गए थे। अधिकारियों का दावा है कि इनमें से कुछ लोगों के पास कथित



तौर पर वॉकी-टॉकी भी थे। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

आधे से ज्यादा छात्र कैंपस छोड़ चुके

LPU में करीब 40 हजार छात्र पढ़ते हैं। सोमवार सुबह तक इनमें से आधे से अधिक छात्र ट्रेन, बस और कैब के जरिए अपने घरों के लिए रवाना हो चुके थे। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से बड़ी संख्या में अभिभावक

अपने बच्चों को लेने विश्वविद्यालय पहुंचे।

छात्रों की यह वापसी विश्वविद्यालय द्वारा कैंपस को 10 दिनों के लिए बंद रखने के फैसले के बाद शुरू हुई। एक अक्टूबर से प्रस्तावित मिड-टर्म परीक्षाएं भी फिलहाल स्थगित कर दी गई हैं।

इंटरनेट बंद होने से छात्रों को परेशानी

विश्वविद्यालय परिसर में रविवार आधी रात से इंटरनेट सेवाएं बंद हैं।

इंटरनेट बंद होने से जहां सोशल मीडिया के जरिए वीडियो पोस्टा करने और छात्रों के ऑनलाइन समन्वय पर असर पड़ा, वहीं छात्रों को रोजमर्रा के कामों में भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छात्रों ने बताया कि वे UPI के जरिए भुगतान नहीं कर पा रहे हैं और ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल भी एक्सेस नहीं कर पा रहे। जम्मू के एक छात्र ने बताया कि कैंपस में छात्र आमतौर पर नकदी नहीं रखते। उसके अनुसार, परिसर में मौजूद एटीएम भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

हालांकि, छात्रों ने बताया कि सोमवार सुबह कैटीन सामान्य रूप से चल रही थीं और भोजन मिलने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

हिंसा के बाद कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को विश्वविद्यालय पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

हरियाणा के सभी विभाग सुशासन और उत्कृष्टता के लिए बेस्ट प्रैक्टिसज पर जोर दें: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न विभागों में ऐसी कार्यप्रणालियों और नवाचारों को अपनाने पर विशेष जोर दिया है, जिनसे सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामों में सुधार हो। इसी कड़ी में सोमवार को मुख्यमंत्री के समक्ष उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग तथा लोक निर्माण विभाग ने अपनी बेस्ट प्रैक्टिसेज और उपलब्धियों से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस दौरान संस्थागत उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं नवाचार, डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग, नागरिक सहभागिता तथा प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन जैसे विषयों पर विशेष फोकस किया गया।

विकसित किए जा रहे ‘मॉडल संस्कृति कॉलेज’

उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री एके सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी कॉलेजों को उत्कृष्ट संस्थानों के रूप में विकसित करने के लिए हर जिले में एक कॉलेज को ‘मॉडल संस्कृति कॉलेज’ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 23 सरकारी कॉलेजों की पहचान की गई है, जिन्हें वर्ष 2029 तक संस्थागत उत्कृष्टता के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य है। इन कॉलेजों में विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम, डिजिटल एवं ब्लेंडेड लर्निंग, उद्योगों

एशियन गेम्स - ईशा सिंह ने साधा 'सिल्वर' पर निशाना, पिता बोले- यह मेडल 'गोल्ड' के बराबर है

टोयोटा। युवा भारतीय शूटर ईशा सिंह ने सोमवार को 'एशियन गेम्स 2026' में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में देश के लिए सिल्वर जीता। पिता सचिन सिंह बेटी की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं। ईशा ने नॉर्थ कोरिया की किम ह्योन सुक को हराकर सिल्वर मेडल पक्का किया। इस मेडल के लिए हुए शूट-ऑफ

में मुकाबला काफी कड़ा था। शुरूआती दो शूट-ऑफ राउंड में दोनों बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मुकाबला तीन शूट-ऑफ राउंड की सीरीज तक खिंचा। हालांकि, गोल्ड मेडल के लिए चीन की शियाओ जियासूहक्सुआन के खिलाफ हुए दो-सीरीज वाले शूट-ऑफ में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हांगझोऊ गेम्स में दो मेडल जीतने वाली ईशा को न सिर्फ अपनी प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करना पड़ा, बल्कि शूट-ऑफ के दौरान आयोजकों की तरफ से अचानक लिए गए कुछ ब्रेक का भी सामना करना पड़ा, जो आमतौर पर एथलीट की लय बिगाड़ देते हैं। हालांकि, ईशा के साथ ऐसा नहीं हुआ।

बेटी के सिल्वर मेडल जीतने के बाद पिता सचिन ने 'आईएनएस' से कहा, 'असल में, अगर आप गलत कमांड देकर मैच रोकते हैं, तो दोनों एथलीट्स



(चीनी ताइपेई की खिलाड़ी और ईशा) की लय बिगाड़ जाती है। इससे दिमाग उलझ जाता है। ऐसे में वापस अपनी लय में हासिल करते हुए शूटिंग करना बहुत मुश्किल काम है। उनकी कमांड गलत थी, और फिर वे लाइट बंद करना भी भूल गए। तो, ये चीजें एथलीट को बहुत परेशान करती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह सिर्फ सिल्वर नहीं, बल्कि ईशा के लिए गोल्ड है। उन्होंने जिस तरह हर स्थिति का सामना किया, वापसी की और चीनी खिलाड़ी से मुकाबला किया... इसलिए, मैं इस सिल्वर मेडल को उनके गोल्ड मेडल के बराबर ही मानूंगा। इसमें कोई शक नहीं है।'

हांगझोऊ गेम्स के बाद ईशा ने वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में टीम सिल्वर और मिक्स्ड सिल्वर जीता। इसके साथ ही वर्ल्ड कप 2025 में इंडिविजुअल गोल्ड और वर्ल्ड कप 2026 में सिल्वर मेडल पर निशाना साधा।



के साथ सहयोग, इंटरनशिप, अप्रेंटिसशिप, विशेषज्ञ व्याख्यान, वर्चुअल लैब, ई-संसाधन, इनव्यूखेशन सेंटर तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

अनुसंधान और नवाचार के लिए बनाया स्टेट रिसर्च फंड

उन्होंने बताया कि प्रदेश में अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा स्टेट रिसर्च फंड स्थापित किया गया है। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसकी सराहना नीति आयोग ने भी की है। इस फंड के अंतर्गत शोध कार्यों में लगे संस्थानों के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2025-26 में इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। गत वर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों से सहायता के

लिए 350 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 90 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक नवाचार एवं उद्यमिता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एडटेक, आयुष, योग, जलवायु एवं जल संरक्षण, कौशल एवं रोजगार तथा समावेशन शामिल हैं। इसके साथ ही उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए 20 करोड़ रुपये के अलग फंड की व्यवस्था की गई है।

नए शिक्षकों को मिलेगा एक समान इंडक्शन प्रशिक्षण

उन्होंने बताया कि सरकारी कॉलेजों में नवनि्युक्त सहायक प्रोफेसरों के लिए टीचर्स इंडक्शन प्रोग्राम शुरू किया गया है। लगभग 2,000 नए सहायक प्रोफेसरों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण मॉडल तैयार किया गया है।

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका जाएंगे पीयूष गोयल, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भी होगी चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 29 सितंबर से 5 अक्टूबर तक अमेरिका के एक सप्ताह के दौर पर रहेंगे। इस दौरान वह जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के साथ-साथ कई द्विपक्षीय बैठकों और व्यापारिक संवादों में शामिल होंगे। मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करना है। पीपूष गोयल 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वौकी में आयोजित होने वाली जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। वह बैठक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है, जिसमें जी20 देशों के व्यापार मंत्री वैश्विक व्यापार से जुड़े प्रमुख मुद्दों और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के भविष्य पर चर्चा करेंगे। बैठक के दौरान भारत नियम-आधारित, खुली, समावेशी, पारदर्शी, न्यायसंगत और भेदभावहित वैश्विक व्यापार व्यवस्था की वकालत करेगा, जिसमें विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की केंद्रीय भूमिका बनी रहे।

शहजाद पूनावाला के फाड़े कपड़े, मारा पंच... 'राइज एंड फॉल 2' से एक्विट हुए सिवेट तोमर

मुंबई। रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' का एपिसोड 26 सितंबर को एमएक्स प्लेयर और प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुआ था। महज दो दिन के अंदर शो में बवाल मच चुका है। बताया जा रहा है कि मेकर्स ने कंटेस्टेंट सिवेट तोमर को शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। आरोप है कि उन्होंने शहजाद पूनावाला को पंच मारा और उनके कपड़े फाड़ दिए, जिसके चलते उन्हें शो से एक्विट किया गया। शो के वायरल वीडियो के मुताबिक, सिवेट और शहजाद के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। सिवेट का नाम लेते हुए शहजाद कहते हैं कि वह करण पटेल की बातों पर आंख बंद करके भरोसा करते हैं। इसके साथ ही वह अन्य आरोप भी उन पर लगाते हैं। शो में सिवेट ने शहजाद से कहा था कि वह फिल्म 'पंचावत' के जौहर वाले सीन पर स्वरा भास्कर के बयान से नाराज हैं, इसलिए वह उनसे बात नहीं करेंगे। उनकी इसी बात पर शहजाद ने तर्ज कसते हुए कहा, ' 'जा सिवेट, जा भाई, जाओ करो अलायांस... ये है अलायांस, जो सिवेट टू बनाकर घूम रहा है, वो स्वरा भास्कर के साथ है अब...'।

ये बात सुनकर स्वरा भास्कर बीच में गुस्से में बोलती हैं, ' 'उन्हें (सिवेट) बीच में क्यों ला रहे हो? इतने में सिवेट पीछे से आते हैं और शहजाद को धक्का दे देते हैं। स्वरा भास्कर उन्हें रोकने की कोशिश करती हैं।

वीडियो में सिवेट को शहजाद के साथ धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। इस धक्का-मुक्की में शहजाद का कुर्ता फट जाता है।

न्यूज डायरी

हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनगणना- 2027 का द्वितीय चरण 30 सितम्बर को होगा सम्पन्न

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि है कि हिमाचल प्रदेश के हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) का कार्य 01 सितम्बर 2026 से 30 सितम्बर, 2026 तक सम्पन्न किया जा रहा है।

उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे जनगणना कर्मियों (प्राणकों एवं पर्यवेक्षकों) को पूर्ण सहयोग प्रदान करें, यथार्थ एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करें विशेष रूप से वे स्वयं को वर्तमान निवास स्थान पर जनगणना में पंजीकृत करवाएं ताकि प्रत्येक व्यक्ति की सही गणना हो सके और किसी भी व्यक्ति की गणना न बूट जाए।

उन्होंने कहा कि जनगणना अधिनियम-1948 के प्रावधानों के अंतर्गत जनगणना में संकलित व्यक्तिगत जानकारी पूर्णतया गोपनीय होती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों, विकास योजनाओं एवं नीति निर्माण के लिए किया जाता है। इस जानकारी का उपयोग किसी व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता, न ही ये रिकॉर्ड सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत साझा किया जा सकता है।

जनगणना देश की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो कि योजना, नीति निर्माण और देश के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। इसलिए यह आवश्यक है कि जनगणना का सफल संचालन हो। इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि जनसंख्या की आवासीय स्थिति की स्पष्ट एवं यथार्थ जानकारी प्राप्त हो।

फिनलैंड से नॉर्वे पहुंचे विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां जो 69वें राष्ट्रमण्डल अन्तर्राष्ट्रीय संसदीय सम्मलेन में भाग लेने साऊथ अफ्रीका, केपटाउन गए थे अपनी अधिकारिक अध्ययन प्रवास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए गत सायं फिनलैंड के मशहूर शहर रोवानीमी से ट्रॉम्सो नॉर्वे पहुंचे, वहाँ उनका दो दिन का प्रवास कार्यक्रम रहेगा। पठानियां 30 सितम्बर, 2026 तक नॉर्वे के अध्ययन प्रवास पर ही रहेंगे तथा उनका कई ऐतिहासिक तथा प्रसिद्ध महानगरों में जाने का कार्यक्रम है। ट्रॉम्सो नॉर्वे के ऊपरी भाग में स्थित एक सुन्दर और महत्वपूर्ण शहर है। इसे अकसर आर्कटिक की राजधानी कहा जाता है। यह शहर आर्कटिक सर्कल के काफी उत्तर में स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुन्दरता, बर्फीले बातावरण, उत्तरी रोशनी तथा समृद्ध सांस्कृतिक जीवन के लिए प्रसिद्ध है। ट्रॉम्सो पर्यटकों, शोधकर्ताओं और प्रकृति प्रेमियों के लिए आर्कषण का केन्द्र है।

शहर का भौगोलिक स्थान इसे अन्य नॉर्वेजियन शहरों से अलग पहचान देता है। यहाँ सर्दियों में लम्बे समय तक सूर्य दिखाई नहीं देता जिसे ध्रुवीय रात्री (Polar Star) कहा जाता है। इसके विपरीत गर्मियों में कई सप्ताह तक सूर्य अस्त नहीं होता है। इस प्राकृतिक घटना को मध्यारत्री का सूर्य (Midnight Sun) कहा जाता है। ट्रॉम्सो शिक्षा और अनुसंधान का भी महत्वपूर्ण केन्द्र है। यहाँ युनिवर्सिटी ऑफ ट्रॉम्सो-दी ऐरोटिक युनिवर्सिटी ऑफ नॉर्वे स्थित है जो आर्कटिक क्षेत्र से जुड़े अध्ययन और अनुसंधान के लिए प्रसिद्ध है। पठानियां का यहाँ स्थित युनिवर्सिटी ऑफ ट्रॉम्सो जाने का कार्यक्रम भी है जहाँ वह भारतीय समुदाय के छात्रों के साथ संवाद करेंगे तथा वहाँ पर विद्यमान शिक्षा पद्धति का अध्ययन करेंगे। अध्ययन प्रवास के दौरान पठानियां जलवायु परिवर्तन, समुद्री बिज्ञान, पर्यावरण और आर्कटिक समाज जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षाविदों से चर्चा करेंगे।

किसान आईडी के बिना नहीं मिलेगी खाद

हिन्द जनपथ

धर्मशाला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में रबी सीजन की तैयारियों के बीच किसानों को भविष्य में खाद लेने से पहले केंद्र सरकार के एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीकरण कराकर अपनी कृषि भूमि का रिकॉर्ड डिजिटल करवाना होगा। किसान आईडी बनने के बाद इसी में दर्ज जमीन के आधार पर खाद का कोटा व उर्वरक की मात्रा तय होगी।

आज यहां यह जानकारी देते हुए कृषि उपनिदेशक कांगड़ा डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि जिन किसानों ने अभी तक अपनी जमीन का रिकॉर्ड एग्रीस्टेक पोर्टल पर दर्ज नहीं कराया है, उन्हें जल्द पंजीकरण करवाना होगा। ऐसा नहीं करने पर भविष्य में डिपो से खाद लेने में उन्हें परेशानी हो सकती है। किसान आईडी बनवाने के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल पर कृषि भूमि का पूरा विवरण दर्ज करना होगा। इसके लिए खसरा-खतौनी नंबर और जमीन से जुड़ी अन्य जानकारी देनी होगी। जमीन का रिकॉर्ड डिजिटल होने के बाद उसे किसान की डिजिटल आईडी से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने बताया कि किसान नजदीकी लोक मित्र केंद्र में जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, आधार नम्बर से लिंकड मोबाइल तथा अपनी जमीन का रिकॉर्ड यानी पर्चा साथ लाना होगा। यह पंजीकरण नि:शुल्क होगा।

उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था का उद्देश्य खाद वितरण में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना है कि किसान को उसकी वास्तविक कृषि भूमि के अनुपात में ही उर्वरक मिले। इसके अलावा, खाद की अनियमित खरीद और वितरण की भी निगरानी हो सकेगी।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का जायजा लेने केंद्रीय टीम पहुंची कांगड़ा

हिन्द जनपथ

धर्मशाला (ब्यूरो)। मानसून सीजन के दौरान प्रदेश में हुई भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित अंतर-मंत्रालय केंद्रीय टीम का उह सदस्यीय दल सोमवार को कांगड़ा जिला पहुंचा। टीम का नेतृत्व संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एम. रामचंद्रबुडु ने किया।

केंद्रीय टीम में निदेशक, जल शक्ति मंत्रालय (एमएंडए निदेशालय), शिमला प्रकाश चंद्र, निदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (गेहूँ विकास निदेशालय), गुरुग्राम डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली रामवतार मीणा, कार्यकारी अभियंता, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, शिमला शाश्वत महापात्रा, उप निदेशक, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली कनव दुआ तथा वैज्ञानिक, रिमोट सेंसिंग सेंटर, इसरो, अंतरिक्ष विभाग, हैदराबाद डॉ. श्री शशिर्वर्धन रेड्डी शामिल हैं।

गगल हवाई अड्डे पहुंचने पर उपयुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा सहित अन्य अधिकारियों ने केंद्रीय टीम का स्वागत किया। इसके बाद टीम ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मानसून के दौरान जिला में हुए नुकसान तथा राहत एवं पुनर्स्थापना कार्य की प्रगति की जानकारी भी दी गई।

हिमाचल जूडो मार्शल आर्ट खेल नहीं अपितु एक अनुशासन - अनिरुद्ध सिंह

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। चायल-कोटी महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता का आज शुभारंभ हुआ। प्रदेश के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह जूडो प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने हिमाचल प्रदेश के सभी महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जूडो मार्शल आर्ट खेल नहीं अपितु एक अनुशासन है। उन्होंने कहा कि इस खेल को प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के युवा बहुत ही रुचि के साथ खेलते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से जूडो खेल को खेल की भावना से खेलने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में एक दशक पहले कोई भी महाविद्यालय नहीं होता था। स्थानीय प्रतिभागियों एवं सरकार के प्रयासों से इस क्षेत्र में एक भव्य एवं सुंदर महाविद्यालय खोला गया है। उन्होंने महाविद्यालय प्रबंधन,



अभिभावकों एवं बच्चों से आह्वान किया कि इस महाविद्यालय में ज्यादा से ज्यादा बच्चों के दाखिले करवाए और शिक्षा में गुणवत्ता बरकरार रखे ताकि इस महाविद्यालय की गरिमा बरकरार रहे और इसकी गिनती अन्य महाविद्यालयों की तरह अच्छे महाविद्यालयों में हो सके। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय की लगभग सभी मांगों को पूर्ण कर लिया गया है और प्रवक्ता एवं सहायक प्रवक्ता

के खाली पदों को शीघ्र भरा जाएगा।

उन्होंने जूडो खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय प्रबंधन को 50 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय कोटी डॉ दीपशिखा भारद्वाज ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि जूडो खेल प्रतियोगिता के लिए इस महाविद्यालय द्वारा मेजबानी करना गर्व की बात है।

वन अकादमी सुंदरनगर में रिफ्रेशर ट्रेनिंग की पाठशाला

वन बल प्रमुख डा. संजय सूद और परियोजना निदेशक अनिकेत वानवे ने प्रतिनिधियों को किया रिचार्ज

सुंदरनगर। हिमाचल प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में तीन दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग प्रोग्राम के दूसरे चरण का आगाज सोमवार को हुआ, जो 30 सितंबर तक चलेगा। जिसमें प्रदेश के जाइका वानिकी परियोजना के 10 वन मंडलों के एसएमएस और एफटीयू को-ऑर्डिनेटर्स भाग ले रहे हैं। सत्र के पहले दिन वन बल प्रमुख एवं मुख्य परियोजना निदेशक डा. संजय सूद और परियोजना निदेशक अनिकेत एम.



वानवे ऑनलाइन जुड़े और प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने यहां उपस्थित एसएमएस और एफटीयू को-ऑर्डिनेटर्स को कार्यशैली में तेजी लाने के लिए उन्हें रिचार्ज किया। डा. संजय सूद ने कहा कि जाइका वानिकी परियोजना प्रदेश में बेहतरीन कार्य कर रही है, जिसकी सराहना प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत आय

जुड़े परियोजना निदेशक अनिकेत एम. वानवे ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने सामुदायिक गतिशील नेतृत्व, विवाद और समाधान विषय पर विस्तार से प्रस्तुति दी। हिमाचल प्रदेश वन अकादमी के निदेशक सुभाष पराशर ने कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़ने के लिए वन बल प्रमुख डा. संजय सूद और परियोजना निदेशक अनिकेत एम. वानवे का आभार व्यक्त किया।

गांधी जयंती पर धर्मशाला में निकाली जाएगी प्रभात फेरी: एडीसी

हिन्द जनपथ

धर्मशाला(ब्यूरो)। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को धर्मशाला में प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। यह प्रभात फेरी प्रातः 6 बजे कचहरी अड्डा स्थित हनुमान मंदिर के समीप से शुरू होगी। अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने बताया कि प्रभात फेरी में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवी, स्वतंत्रता सेनानी, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे।



उन्होंने बताया कि भजन मंडलियों की सहभागिता के साथ प्रभात फेरी कचहरी अड्डा से पोस्ट ऑफिस, हॉस्पिटल रोड तथा नगर निगम कार्यालय होते हुए गांधी वाटिका पहुंचेगी। गांधी वाटिका में महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्प मालाएं अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

प्रभात फेरी के उपरांत गांधी वाटिका में सर्वधर्म प्रार्थना एवं कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। एडीसी ने शहरवासियों से गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित प्रभात फेरी में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया।

नई दिल्ली में आयोजित होगा महिला एवं बाल विकास से संबंधित शिखर सम्मेलन

डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में भाग लिया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने आज केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में भाग लिया। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित आगामी दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई। यह सम्मेलन

8 और 9 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली स्थित सुष्मा स्वराज भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 अक्टूबर को सम्मेलन के समापन सत्र में विशेष रूप से उपस्थित होंगे।

आगामी शिखर सम्मेलन के संबंध में डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि सम्मेलन में चार प्रमुख विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। इन्में बेहतर पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों की पुनर्कल्पना, बाल संरक्षण प्रणाली को सुदृढ़ करना, संस्थागत एवं विधायी व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा प्रमुख योजनाओं एवं हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता और परिणामों को बेहतर



बनाते हुए महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना शामिल है।

उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदेश के कल्याण से जुड़े मुद्दों और वास्तविक मांगों को प्रमुखता से उठाया

जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सम्मेलन के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति तैयार की जाएगी, जिसमें ऐसे सुझाव शामिल किए जाएंगे, जो न केवल हिमाचल प्रदेश के लिए उपयोगी हों, बल्कि अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी लाभकारी साबित हो सकें। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक मंच पर एकत्रित होकर विचार-विमर्श करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा ताकि विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं का लाभ प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से समाज के पात्र वर्गों तक सुनिश्चित रूप से पहुंचाया जा सके।

प्रार्थमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन प्रदेश सरकार की

‘मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 3.0 अभियान’ के तहत निपटाएं लम्बित मामले - प्रशांत सिंह नेगी

हिन्द जनपथ

सोलन (ब्यूरो)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन द्वारा लोगों के लम्बे समय से चल रहे विवादों से राहत दिलाने के लिए सोलन जिला में ‘मध्यस्थता राष्ट्र’ के लिए 3.0 अभियान’ आरम्भ किया गया है। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रशांत सिंह नेगी ने दी।

प्रशांत सिंह नेगी ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नासला मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा भी यह अभियान जिला के सम्बन्धित न्यायालयों में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत ऐसे मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें पक्षकार आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मध्यस्थता में दोनों पक्ष एक प्रशिक्षित मध्यस्थ की सहायता से आपसी सहमति से विवाद सुलझाते हैं और इस मध्यस्थता की प्रक्रिया गोपनीय, लचीली और कम खर्चीली होती है।

शील्ड ट्रस्ट ने नगर स्कूल में किया पौधारोपण, लगाए देवदार के 14 पौधे



लिए पौधे उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनके उचित रोपण और देखभाल को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। ट्रस्ट ने डीएफओ और रेंज ऑफिसर सहित वन विभाग के अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार जताया।

आउटस्टेप पब्लिक स्कूल, नगर के एमडी एवं प्रधानाचार्य खुब राम नेगी ने शील्ड ट्रस्ट की पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों और स्टाफ से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित

करने का आह्वान किया।

शील्ड ट्रस्ट की अध्यक्ष रितांजलि हस्तीर ने कहा कि ट्रस्ट पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने और हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए स्कूलों तथा स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर लगातार कार्य करता रहेगा। ट्रस्ट के सचिव डॉ. योगेश भारद्वाज ने स्कूल प्रबंधन, वन विभाग, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

डीसी कांगड़ा ने मुल्थान तहसील में 14 किलोमीटर के कटिन ट्रैक पर पहुंचकर लिया ग्लेशियर झील का जायजा



लागभग 22 सदस्यीय टीम ने भाग लिया।

टीम ने ग्राम पंचायत पोलिंग क्षेत्र से डाइनसर तक लगभग 14 किलोमीटर का कठिन पहाड़ी ट्रैक पूरा किया। दुर्गम

हेमराज बैरवा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में ग्लेशियर झील से किसी प्रकार के तात्कालिक खतरे के संकेत नहीं मिले हैं।

भोरंज में सिक्थोरिटी गार्ड, सुपरवाइजर और एचआर के साक्षात्कार 7 को

हिन्द जनपथ

हमीरपुर (ब्यूरो)। शिमला की ईवान सिक्थोरिटी फंक्शनस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सिक्थोरिटी गार्ड के 80, सिक्थोरिटी सुपरवाइजर के 20 और एचआर के 6 पदों को भरने के लिए 7 अक्टूबर को उप रोजगार कार्यालय भोरंज में साक्षात्कार लोगे।

जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि सिक्थोरिटी गार्ड के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं या बारहवीं पास, सुपरवाइजर के लिए स्नातक और एचआर के लिए एमबीए रखी गई है। इन पदों के लिए 20 से 36 वर्ष तक के पुरुष एवं महिला उम्मीदवार पात्र हैं। पुरुष उम्मीदवारों की लंबाई कम से कम 5 फुट 7 इंच और वजन 60 किलोग्राम होना चाहिए। जबकि, महिला उम्मीदवारों की लंबाई कम से कम 5 फुट 4 इंच और वजन 48 किलोग्राम होना चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार से 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन मिलेगा और उनका कार्यस्थल हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा इन पदों के लिए योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

चिन्हित सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश दिए।

डॉ. शांडिल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिला में क्षय रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शिविर लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नगर निगम के अधिकारियों ने अवगत करवाया कि पुराने बस स्टैंड के समीप सेना की भूमि को स्थानांतरण करवाने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार और भारतीय सेना के मध्य पत्राचार जारी है। इस सम्बन्ध में स्वास्थ्य मंत्री ने रक्षा सम्पदा अधिकारी अम्बाला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत भी की।

न्यूज़ डायरी

‘गैंगस्टर’ते वार’ अभियान का 251वां दिन: पंजाब पुलिस ने 648 स्थानों पर छापेमारी कर 305 लोगों को किया काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ‘गैंगस्टर’ते वार’ अभियान के 251वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और पैप किए गए 648 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू किया गया ‘गैंगस्टर’ते वार’ अभियान एक निर्णायक कार्रवाई है, जिसकी शुरुआत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। सभी जिलों की पुलिस टीमों ‘एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स’ (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 251वें दिन पुलिस टीमों ने दो हथियारों सहित 305 व्यक्तिों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर 74,485 हो गई है।

इसके अलावा 192 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस अभियान के दौरान तीन भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

लोग ‘एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946’ के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों से संबंधित जानकारी गुप्त रूप से दे सकते हैं। इसके अलावा अपराध और अपराधिक गतिविधियों के संबंध में भी पुलिस को सूचना दी जा सकती है।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम ‘युद्ध नशों विरुद्ध’ को 576वें दिन भी जारी रखते हुए आज 122 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 17 किलोग्राम हरोइन, 403 नशीली गोलियां और 4,320 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को उनके जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने आज महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह को उनके जन्म दिवस के अवसर पर श्रद्धा के फूल अर्पित किए। विधानसभा स्पीकर ने कहा कि भारत को क्रूर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की बेड़ियों से मुक्त करवाने के लिए शहीद भगत सिंह द्वारा दिया गया महान बलिदान मानव इतिहास में अतुलनीय है।

नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करते हुए विधानसभा स्पीकर ने कहा कि शहीद भगत सिंह की दूरदर्शी सोच और देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रकाश-पुंज का कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय नायक को सच्ची श्रद्धांजलि सामाजिक न्याय, समानता और देश के सर्वांगीण विकास के लिए निस्वार्थ सेवा जैसे उनके मूल आदर्शों को अपनकर ही दी जा सकती है।

इस महान शहीद के नेतृत्व में लड़े गए स्वतंत्रता के ऐतिहासिक संघर्ष को याद करते हुए विधानसभा स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि, “शहीद-ए-आज़म भगत सिंह ने केवल विदेशी शासन से स्वतंत्रता के लिए ही संघर्ष नहीं किया, बल्कि उन्होंने शोषण और अत्याचार से मुक्त एक समानतापूर्ण समाज की कल्पना भी की थी। फांसी के तख्ते के सामने उनकी निर्भीकता ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी और पूरे देश में स्वतंत्रता की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की, जो कभी बुझ नहीं सकी। उनके दिखाए मार्ग पर चलना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।”

एम एल ए कुलवंत सिंह ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के कार्ड आरोग्य केंद्र, सेक्टर-69 में लाभार्थियों को वितरित



हिन्द जनपथ

एस ए एस नगर(ब्यूरो)। मोहाली के विधायक स. कुलवंत सिंह ने आज मोहाली के सेक्टर-69 स्थित आरोग्य केंद्र में लाभार्थियों को मुख्यमंत्री सेहत योजना (एम एम एस वाई) के कार्ड वितरित किए। उन्होंने योजना के तहत कैशलेस स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए स. कुलवंत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सेहत योजना जरूरतमंद परिवारों के साथ-साथ आम जनता के लिए भी बड़ा सहारा साबित हो रही है। इस योजना के तहत सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में विभिन्न बीमारियों का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का वित्तीय बोझ कम करने में मदद की है और पात्र लाभार्थियों को तत्काल उपचार खर्च की चिंता किए बिना गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार प्राप्त करना सुनिश्चित किया है।

उन्होंने बताया कि अब तक पंजाब भर में 54 लाख से अधिक परिवार इस योजना के तहत पंजीकृत हो चुके हैं, जबकि एस ए एस नगर जिले में लगभग 1.80 लाख लाभार्थी परिवारों का पंजीकरण हो चुका है।

चंडीगढ़/हरियाणा/पंजाब/हिमाचल

पंजाब पुलिस द्वारा एलपीयू में हुई हिंसक घटना की वैज्ञानिक और तकनीकी जांच जारी; एसआईटी गठित, जिम्मेदार त्‍यवित्‍यों के खिलाफ सख्‍त कार्रवाई की जाएगी: डीजीपी गौरव यादव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब पुलिस द्वारा रविवार और सोमवार की मध्‍यरात्रि को लक्‍वली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), फगवाड़ा के बाहर अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा की गई हिंसक घटनाओं की व्यापक वैज्ञानिक और तकनीकी जांच की जा रही है। साथ ही, छात्रों और विश्‍वविद्यालय प्रशासन के बीच बातचीत के माध्‍यम से मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लगातार प्रयास भी जारी हैं। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

छात्रों का विश्‍वास मजबूत करने के लिए पंजाब पुलिस के वरिष्‍ठ अधिकारी और जिला पुलिस अधिकारी राज्यभर के विश्‍वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्‍थानों में छात्रों की सुरक्षा मजबूत करने और उनकी चिंताओं का समाधान करने के लिए उनसे लगातार बातचीत कर रहे हैं। फाजिल्‍का और कांग्रह्‍र से लेकर फिरोजपुर, रूपनगर, मोहाली और लुधियाना ग्रामीण तक, पुलिस रेंजों के डीआईजी और एसएसपी सहित वरिष्‍ठ अधिकारियों ने शैक्षणिक संस्‍थानों का दौरा कर छात्रों से बातचीत की। अधिकारियों ने छात्रों



को हर आवश्‍यक सहायता का भरोसा दिलाया और राज्यभर के छात्रों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्‍चित करने के प्रति पंजाब पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराई। लक्‍वली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पहुंचे डीजीपी गौरव यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस द्वारा शांति बनाए रखने और छात्रों तथा विश्‍वविद्यालय प्रशासन के बीच बातचीत के माध्‍यम से मामलों का उचित समाधान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस बल को स्पष्‍ट निर्देश दिए गए हैं कि वे अधिकतम संंयम बरतें और छात्रों के खिलाफ बल का प्रयोग न करें। डीजीपी गौरव यादव ने कहा, ‘छात्र

बिखरी हुई व्‍यवस्‍था की कीमत अब छिपी नहीं है



-डॉ. गिरधर जे. ज्ञानी

भारत के कई हिस्‍सों में आज भी एक डॉक्‍टर से दूसरे डॉक्‍टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्‍य जरिया खूद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है- कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्‍वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्‍त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्‍सर वह अगले डॉक्‍टर या अस्‍पताल तक नहीं पहुंच पाती। अस्‍पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं

रहा। जब स्‍वास्‍थ्‍य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्‍य सवाल यहीं रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्‍पतालों को अपनी व्‍यवस्‍था में कितना बदलाव करना पड़ेगा।

इंटर कॉलेज साइक्लिंग ट्रैक प्रतियोगिता में सरकारी कॉलेज एस.ए.एस. नगर के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज साइक्लिंग ट्रैक प्रतियोगिताओं में सरकारी कॉलेज एस.ए.एस. नगर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिताओं के दौरान कॉलेज के विद्यार्थी जशनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड मेडल हासिल किए। इसी प्रकार पृथ्वीराज चौहान ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। अनीतक कुमार ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए।

विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमती जसप्रीत कौर बैंस ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रमुख प्रो. सिमरप्रीत कौर ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। प्रोफेसर जगतरा सिंह ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक मेहनत एवं लगन के साथ खेलों में भाग लेकर कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा साइक्लिंग के क्षेत्र में हासिल की गई ये उपलब्धियाँ कॉलेज के लिए गर्व की बात हैं और अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगी।

एसआईआर पर राहुल गांधी का नरैटिव बेनकाब, पहले संवैधानिक संस्था पर आरोप और अब चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के बाद प्रलापः डॉ. अर्चना गुप्ता

हिन्द जनपथ

पलवल(ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने एसआईआर को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी आए दिन नए आरोप और धामक नरैटिव के जरिए संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए गए, जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों के संयुक्त वक्तव्य के बाद स्पष्ट हो गया कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर उनके बीच कोई असहमति नहीं थी। इसके बावजूद कांग्रेस अपने आरोपों को सही साबित करने के लिए बार-बार वही बातें दोहरा रही है।

सोमवार को लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में राज्यमंत्री गौरव गौतम, राज्यमंत्री राजेश नागर और वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे नेता से अपेक्षा होती है कि वह तथ्यों के आधार पर बात करें। विदेशों में देश की संस्थाओं पर सवाल उठाना और संसद में सकाआत्मक चर्चा के बजाय व्यवधान पैदा करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब गांधी परिवार के तीन सदस्यों को सकारात्मक संसदीय चर्चा में भाग ही नहीं लेना है तो वे इन सीटों का सदुपयोग क्यों नहीं करते।

उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य पात्र मतदाताओं को सुनिश्चित करना और मतदाता सूची का शुद्धिकरण करना है। कांग्रेस द्वारा भाजपा पर वोट चोरी के आरोपों पर डॉ. गुप्ता ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने वर्ष 2009 के चुनाव का जिक्र करते हुए तत्कालीन इज्जर दीसी और वर्तमान आदमपुर विधायक चंद्रप्रकाश से विशेष मदद मिलने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि वोट चोरी वास्तव में कौन करता है।

कांग्रेस और इनलेो की सभाओं में भीड़ तथा भाजपा की चुनावी सफलता से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत उसका वृ्ध्द स्तर तक मजबूत सांठान, कार्यकर्ताओं का परिश्रम, राष्ट्रीय नेतृत्व का मार्गदर्शन और जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण जनता में बना विश्वास है।

किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती। इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है।

लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग प्रारूप और एक-दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी

स्वच्छता ही सेवा 6.0: पीआईबी, सीबीसी चंडीगढ़ ने जन भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियानों की श्रृंखला आयोजित की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), चंडीगढ़ और केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), चंडीगढ़, ‘स्वच्छता ही सेवा 6.0’ में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इसके तहत स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों के साथ-साथ व्यापक समुदाय के बीच स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और ‘जन भागीदारी’ की भावना को सुदृढ़ करना है।

17 सितंबर, 2026 को शुरू हुआ यह अभियान 2 अक्टूबर, 2026 तक जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छता को केवल एक अभियान-आधारित गतिविधि के रूप में नहीं, बल्कि दैनिक जीवन के एक अभिन्न अंग के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। विभिन्न पहलों के माध्यम से, अभियान इस संदेश को सुदृढ़ करना चाहता है कि एक स्वच्छ वातावरण एक साझी जिम्मेदारी है जिसके लिए समाज

उन्होंने कहा, “स्वच्छता को कभी भी एक दिवसीय गतिविधि या ऐसे अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए जिसे हम केवल किसी विशेष अवसर से जोड़ें हैं। इसे एक दैनिक आदत और, इससे भी महत्वपूर्ण, हमारे

इस अवसर पर बोलते हुए, पीआईबी चंडीगढ़ के निदेशक श्री प्रीतम सिंह ने जोर देकर कहा कि स्वच्छता विशेष अवसरों या निर्धारित स्वच्छता अभियानों तक सीमित रहने के बजाय एक निरंतर अभ्यास बननी चाहिए।

उन्होंने कहा, “स्वच्छता को कभी भी एक दिवसीय गतिविधि या ऐसे अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए जिसे हम केवल किसी विशेष अवसर से जोड़ें हैं। इसे एक दैनिक आदत और, इससे भी महत्वपूर्ण, हमारे

यहां जारी एक बयान में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री नेहर दाना खरीदने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई; पंजाब की मंडियों में दूसरे राज्यों का एक भी दाना नहीं आने दिया जाएगा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में 1 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे आगामी धान खरीद सीजन से पहले पंजाब को अक्टूबर माह के लिए 42,786.68 करोड़ रुपये की नकद ऋण सीमा (सी.सी.एल.) मंजूर होने से बड़ी राहत मिली है।

यहां जारी एक बयान में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने बताया कि सी.सी.एल. की मंजूरी से राज्य सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले धान के लिए किसानों को तत्काल और निबंध भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अधिक किसानों देते हुए मंत्री ने बताया कि किसानों द्वारा मंडियों में लाए जाने वाले धान की फीकिंग के लिए विभाग को 5 लाख बारदाना भी प्राप्त हो चुका है।

हिन्द जनपथ पंचकूला मंगलवार, 29 सितंबर, 2026

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के तहत गांव सलेमपुर एवं घनौरी खुर्द से दो बसें श्री अमृतसर साहिब के लिए रवाना

धूरी- मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत गांव सलेमपुर एवं घनौरी खुर्द से श्रद्धालुओं को श्री अमृतसर साहिब स्थित पवित्र धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन करवाने के लिए जाने वाली दो बसों को पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम के चेयरमैन दलवीर सिंह ढिल्लों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर चेयरमैन दलवीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का उद्देश्य प्रदेशवासियों को विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन के लिए सुविधाजनक अवसर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा वि इस योजना के अंतर्गत पंजाब के विभिन्न गांवों एवं शहरों श्रद्धालुओं को प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए बस सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है।

डीजीपी ने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर अप्रमाणित ऑडियो/वीडियो क्लिप या अन्य धामक सामग्री प्रसारित करने से बचें। उन्होंने लोगों से केवल आधिकारिक और प्रमाणित स्रोतों के माध्यम से जारी जानकारी पर ही भरोसा करने को कहा और चेतावनी दी कि जानबूझकर निराधार या धामक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय और उसके आसपास की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

अमरजीत चावला बलात्कार मामला: ड्राइवर मोहन सिंह जांच में शामिल, रूपनगर पुलिस के समक्ष बयान दर्ज कराया

चंडीगढ़/रूपनगर- पूर्व एसजीपीसी सदस्य अमरजीत सिंह चावला के विरुद्ध दर्ज बलात्कार मामले की चल्त रही जांच में, कानूनी नोटिस मिलने के बाद गुरुद्वारा तख्त श्री केसगढ़ साहिब में तैनात ड्राइवर आज जांच में शामिल हुआ और उसने रूपनगर पुलिस के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया।

विवरण देते हुए, उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी), श्री आनंदपुर साहिब, जशनदीप सिंह मान ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35 के तहत ड्राइवर मोहन सिंह, निवासी मोहल्ला कुहालीवाला, श्री आनंदपुर साहिब को नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस के माध्यम से उसे पुलिस स्टेशन श्री आनंदपुर साहिब में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 64, 127(2) और 351(2) के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 149, दिनांक 21.08.2026, के संबंध में जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। नोटिस में बताया कि शिकायतकर्ता/पीड़ित महिला तख्त श्री केसगढ़ साहिब के निकट स्थित विभिन्न सरायों में लगाभग आठ महीने तक रही थी। मोहन सिंह ने बताया कि वह अपनी ड्यूटी के तहत कई बार पीड़ित महिला को आसपास के गुरुद्वारों तक लेकर गया था। ड्राइवर ने आगे बताया कि पीड़ित महिला के रहने, खाने-पीने और स्थानीय आवागमन से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं आरोपी अमरजीत सिंह चावला द्वारा गुरुद्वारा तख्त श्री केसगढ़ साहिब की सरायों में की गई थीं और चावला उसके साथ लगातार संपर्क में रहता था।



के प्रत्येक वर्ग से निरंतर भागीदारी की आवश्यकता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, पीआईबी चंडीगढ़ के निदेशक श्री प्रीतम सिंह ने जोर देकर कहा कि स्वच्छता विशेष अवसरों या निर्धारित स्वच्छता अभियानों तक सीमित रहने के बजाय एक निरंतर अभ्यास बननी चाहिए।

उन्होंने कहा, “स्वच्छता को कभी भी एक दिवसीय गतिविधि या ऐसे अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए जिसे हम केवल किसी विशेष अवसर से जोड़ें हैं। इसे एक दैनिक आदत और, इससे भी महत्वपूर्ण, हमारे

धान खरीद सीजन से पहले पंजाब के लिए 42,786 करोड़ रुपये की सी.सी.एल. मंजूर : लाल चंद कटारूचक्क



श्री कटारूचक्क ने बताया कि राज्य को सीजन 2026-27 के लिए 180 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की फसल 2,461 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदेगी। खरीद कार्यों को निर्बाध और सुचारू ढंग से चलाने के लिए अब तक 1,887 मंडियों को अधिभूषित किया जा चुका है। आवश्यकता के अनुसार अन्य मंडियों को भी खरीद के लिए सक्रिय

किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की किसानों के खून-पसीने से उगाए गए एक-एक दाने की खरीद के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्री कटारूचक्क ने कहा कि जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रकों (डी.एफ.एस.सी.) को निर्देश दिए गए हैं कि पंजाब भर की मंडियों में दूसरे राज्यों से धान का एक भी दाना न आने दिया जाए।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मंडियों में धान की अनलॉडिंग और पैकिंग का कार्य करने वाले मजदूरों के लिए स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं के समुचित प्रबंध भी सुनिश्चित किए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य खरीद प्रक्रिया से जुड़े सभी हितधारकों के किसानों, आदित्यों और मजदूरों—के हितों की रक्षा करना है।

श्री कटारूचक्क ने आगे बताया कि वह खरीद प्रक्रिया का जायजा लेने और इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मंडियों का व्यक्तिगत रूप से दौरा भी करेंगे।

संपादकीय

कुदरत का कहर या प्रशासनिक नाकामी?

बारिश से बिहार के 14 जिलों में 40 लाख लोग बाढ़ से बेचर हो गए हैं। बिहार में सितंबर माह ने बारिश का रिकार्ड तोड़ दिया। 27 सितंबर को नेपाल के तराई क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते गंडक और कोसी नदियां उफान पर हैं। इससे 17 जिलों के करीब 6 हजार गांव टापू बन गए हैं, जबकि करीब 500 घर बाढ़ के पानी से चिरे हुए हैं। सुपौल के 50 गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।हर साल आने वाली इस त्रासदी के बावजूद गाद सफाई और मजबूत तटबंध जैसे स्थायी जल प्रबंधन उपायों की कमी साफ दिखती है। बिहार हर वर्ष बाढ़ की विभीषिका का सामना करता है। इसका मतलब यह होता है कि इसकी प्रकृति को समझ कर इससे बचाव के इंतजाम किए जा सकते हैं। मगर इतने वर्षों से अमूमन हर वर्ष बाढ़ की तबाही के बावजूद राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए कभी ठोस उपाय नहीं किए गए। इस बार भी नदियां उफान पर हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश और नेपाल के जलप्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा की वजह से राज्य के चौदह जिलों में स्थिति गंभीर हो गई है। चालीस लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। गौरतलब है कि हर साल नेपाल से आने वाली नदियां तबाही लेकर आती हैं। बावजूद इसके राज्य सरकार इन नदियों के पानी को संभालने और आम लोगों को राहत के लिए कोई ठोस तंत्र विकसित नहीं कर पाई है। हर वर्ष बाढ़ राहत कार्यों पर निर्भरता के बजाय अगर सरकार बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर ध्यान केंद्रित करती, तो इस समस्या को सुलझाने की दिशा में काफी आगे बढ़ा जा सकता था।नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाए गए तटबंध आज नाकाम साबित हो रहे हैं, तो इस समस्या की जड़ में जाने की जरूरत है। यह निराशाजनक ही है कि हर साल बाढ़ राहत के नाम पर रस्मी कवायद कर अगले वर्ष फिर बाढ़ की प्रतीक्षा की जाती है। एक बड़ी चुनौती यह है कि हिमालयी नदियां हर बार अपने साथ भारी मात्रा में गाद लेकर आती हैं, जो राज्य की नदियों में जमा होती जाती हैं। नतीजा यह कि उथली हो रही नदियों का पानी रिहाइशी इलाकों को अपनी चपेट में ले लेता है। सुशासन का दावा करने वाली सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया होता, तो राज्य में जल प्रबंधन की नई तस्वीर बन सकती थी। यह बेवजह नहीं है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार को इस आपदा से सबसे अधिक नुकसान होता है।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)
विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वल्र्ड इकोनॉमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्लूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरु किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रैंक 131 वीं है।

विश्व आर्थिक मंच डब्लूईएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रैचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हालांकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे

कोहली सबसे तेज 15 हजार वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज,सिक्स से वनडे में 55वां शतक भी तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा

(दीपेश शर्मा)
विराट कोहली वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 303 पारियों में यह कारनामा किया। कोहली ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में 15 हजार 80 रन पूरे किए थे। वहीं ,कोहली ने सिक्स से वनडे में 55वां शतक लगाया। विराट कोहली ने अपने 315वें वनडे मैच में 59वां रन बनाते ही इतिहास रच दिया और वनडे क्रिकेट में 15 हजार 80 रन पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए।

भारतीय क्रिकेट के किंग विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे पहले वनडे मुकाबले में एक और नया इतिहास रच दिया है। विराट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दौरान जैसे ही व्यक्तिगत स्कोर 59 रन पर पहुंचाया उन्होंने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 15000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह वनडे इतिहास में इस महान मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के भी महज दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं कोहली इस रिकॉर्ड को तोड़ने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।

315 मैच में 15000 रन पूरे
विराट कोहली ने अपने 315वें वनडे मैच (303 पारियों) में यह अद्भुत कारनामा कर दिखाया है। 15000 वनडे रनों के आंकड़े तक सबसे तेजी से

विचार/मंथन

निर्वाचन आयोग- साख, सवाल और सच

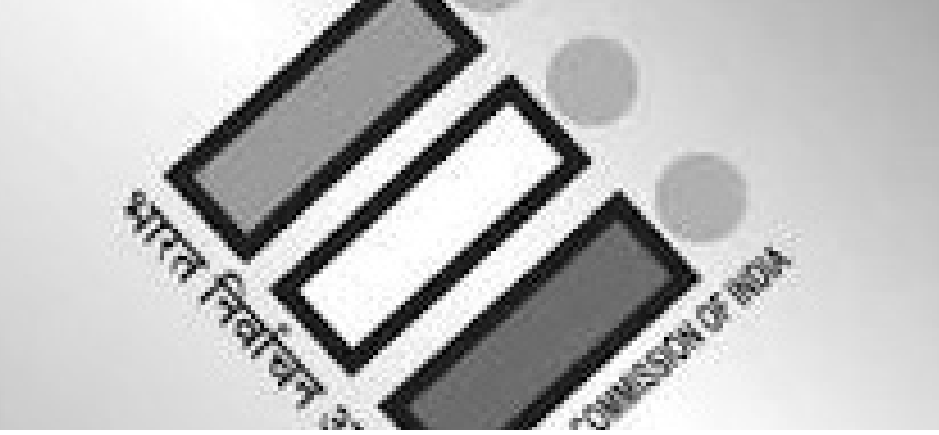
(के. विश्वदेव राव)

लोकतंत्र केकेवल संविधान के पृष्ठों पर उकरी गई पंक्तियों का नाम नहीं है। यह संस्थाओं के भीतर बहने वाली जीवंत सांसों और उनके प्रति जन-सामान्य के अटूट विश्वास का सजीव ताना-बाना है। बीते कुछ हफ्तों में निर्वाचन आयोग को लेकर जो शोर मचा है, वह इसी भरोसे पर चोट पहुंचाने का प्रयास है। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह ख़बर आई कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी के बीच पिछले दस महीनों में चौदह बार दर्ज हुई आपत्तियां किसी गहरे संस्थागत संकट का संकेत हैं। इसके बाद आयोग का जवाब आया।

आयोग ने स्वयं आगे आकर बेहद स्पष्टता से कहा कि यह एक आंतरिक चर्चा और मतभेद के बाद लिए गए अंतिम निर्णय थे, इन्हें आपस में जोड़कर देखना गलत है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी बड़े आदेश सर्वसम्मति से पारित हुए, फॉर्म-6 में कोई मौलिक बदलाव नहीं हुआ, बल्कि उसके साथ केवल एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। कैबिनेट सचिव से हुआ पत्राचार नीति या आईटी का मसला नहीं, बल्कि एक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति जैसा सामान्य प्रशासनिक विषय था। ईसीआई नेट क्षेत्रीय अधिकारियों की भूमिका-आधारित शक्तियां पूरी तरह बरकरार रखता है, और 2025 से अब तक करीब पौने तीन करोड़ नए युवा मतदाता जोड़े जा चुके हैं। इतना ही नहीं, आंतरिक असहमति की चर्चाओं के बीच भी तीनों आयुक्त बीते महीनों की हर प्रमुख चुनावी ब्रीफिंग में साथ-साथ मंच पर मौजूद रहे। अब यह किसी बिखरती संस्था की तस्वीर तो नहीं लगती। यह तो विचार-विमर्श और अंतर्विरोध के बाद भी एकजुट रहने वाली एक परिपक्व संस्था का प्रमाण प्रस्तुत करती है।

हम सबको एक कड़वा सच स्वीकार करना होगा, जिसे विपक्ष अक्सर भुला देता है। आज़ादी के बाद से चुनाव आयोग को अपने हिसाब से ढालने की सबसे पुरानी और सुनियोजित कोशिशें कांग्रेस के शासनकाल में ही हुईं। 1989 में राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त आरवीएस पेरी शास्त्री को चुनाव की तारीखों और उपचुनावों पर मनचाहे फैसले न देने की सज़ा के तौर पर आयोग को अचानक तीन-सदस्यीय बना दिया था। नवनियुक्त आयुक्तों में से एक एसएफ धनोआ ने बाद में खुद लिखा कि इसके बदले उन्हें सरकार में पद का आश्वासन दिया गया था। कांग्रेस वह चुनाव हार गई और 1990 में आई

कुछ वर्षों बाद, जब टीएन शेषन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों का पूरी मुस्तेदी से इस्तेमाल शुरू किया, तो उसका सामना नरसिंह राव सरकार के राजनीतिक हितों से हो गया । 1 अक्टूबर 1993 को कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रपति के अध्यादेश के ज़रिए आयोग को फिर से तीन-सदस्यीय बना दिया। शेषन इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले गए । 1995 में अदालत ने तीनों सदस्यों को बराबर अधिकार तो दे दिए, लेकिन इसके पीछे की मूल राजनीतिक मंशा इतिहास में दर्ज हो चुकी थी। 2009 में तो हद ही हो गई, जब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी ने राष्ट्रपति को 93 पत्रों की रिपोर्ट भेजकर चुनाव आयुक्त नवीन चावला को कांग्रेस के प्रति पक्षपाती बताते हुए हटाने की सिफ़ारिश की । इसमें बैठकों के दौरान गोपनीय जानकारी लीक करने तक के गंभीर आरोप थे।



वीपी सिंह सरकार ने आयोग को फिर से एकल-सदस्यीय कर दिया।

कुछ वर्षों बाद, जब टीएन शेषन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों का पूरी मुस्तेदी से इस्तेमाल शुरू किया, तो उसका सामना नरसिंह राव सरकार के राजनीतिक हितों से हो गया। 1 अक्टूबर 1993 को कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रपति के अध्यादेश के ज़रिए आयोग को फिर से तीन-सदस्यीय बना दिया। शेषन इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले गए । 1995 में अदालत ने तीनों सदस्यों को बराबर अधिकार तो दे दिए, लेकिन इसके पीछे की मूल राजनीतिक मंशा इतिहास में दर्ज हो चुकी थी। 2009 में तो हद ही हो गई, जब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी ने राष्ट्रपति को 93 पत्रों की रिपोर्ट भेजकर चुनाव आयुक्त नवीन चावला को कांग्रेस के प्रति पक्षपाती बताते हुए हटाने की सिफ़ारिश की । इसमें बैठकों के दौरान गोपनीय जानकारी लीक करने तक के गंभीर आरोप थे। हालांकि, कांग्रेस-यूपीए सरकार ने इस सिफ़ारिश को मानने के बजाय वरिष्ठता के आधार पर उन्हीं नवीन चावला को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिया।

स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी घटना 1975 का आपातकाल थी। आपातकाल के दौरान संस्थाओं की गरिमा को तार-तार कर दिया गया था। उस दौर में जब भी चुनाव आयोग सरकार के लिए असुविधाजनक हुआ, कांग्रेस ने अध्यादेशों और अनौपचारिक दबावों का सहारा लिया। आज जब सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों पर भी आंतरिक सवाल उठते हैं, तो यह किसी षड्यंत्र का नहीं, बल्कि एक जीवंत और लोकतांत्रिक संस्था के भीतर सामान्य निर्णय-प्रक्रिया का प्रमाण दिखता है। इसे सुलझाने में आयोग ने पारदर्शिता दिखाई है, कोई पर्दादारी या लोकछिपी नहीं की। प्रचारित रिपोर्टों के अनुसार चुनाव आयुक्त संधू और जोशी ने निर्णय-प्रक्रिया, मतदाता-सूची के डेटाबेस तक पहुंच और पश्चिम बंगाल में दायर कुछ अपीलों को लेकर सवाल उठाए थे, लेकिन आयोग ने इन सभी बिंदुओं पर एक-एक कर तथ्यों के साथ जवाब दिया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में करोड़ों मतदाताओं के नाम सत्यापन के दायरे में आए, और देशभर में विपक्ष करीब तेरह करोड़ नाम हटाए जाने का दावा कर रहा है। यहां मूल तथ्य को समझना ज़रूरी है। फर्जी मतदाताओं,

मृत व्यक्तियों और डुल्लोकेंट प्रविष्टियों को हटाना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी ज़रूरत है, और सुप्रीम कोर्ट पहले ही एसआईआर की प्रक्रिया को संवैधानिक रूप से वैध ठहरा चुका है। इस प्रक्रिया की आंच सत्ता-शिखर और आलोचकों तक समान रूप से पहुंची, जो इसकी निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सीबीआई निदेशक और स्वयं चुनाव आयुक्त संधू तक के नामों का सत्यापन करना पड़ा। इससे यही स्पष्ट होता है कि व्यवस्था को ‘एकतरफा’ या ‘कठपुतली’ ठहराना सरासर राजनीतिक दुष्प्रचार है। विपक्ष के लिए आयोग की आंतरिक बहस एक मनभावन बहाना बनकर आई। ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे से लेकर पूरी कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त को ‘कठपुतली’ घोषित करने में देर नहीं लगाई। यहां पंचतंत्र की उस लोमड़ी की याद आती है, जो अंगूर न पाने पर उन्हें खट्टा करार देती थी। विपक्ष अपनी संगठनात्मक विफलताओं का दोष लगातार संस्थाओं पर मढ़ने की पुरानी परंपरा निभा रहा है। इन सबसे एक ही बात समझ आती है कि यह आरोपों की भाषा है, सबूतों की नहीं।

यह अकरण नहीं है कि दुनिया आज भारत के चुनाव आयोग को सम्मान और गंभीरता से देखती है। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पारित ‘मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति) अधिनियम, 2023’ ने वर्षों से अस्पष्ट रही नियुक्ति-प्रक्रिया को पहली बार एक स्पष्ट कानूनी ढांचे में बांधा। इसी नए तंत्र के तहत बनी चयन समिति की बैठक प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें नेता प्रतिपक्ष भी शामिल थे। इसका परिणाम सबके सामने है- नए मतदाताओं के जुड़ने और मतदान के पुराने रिकॉर्ड टूटने के बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन सहायता संस्थान के अध्यक्ष पद को ज़िम्मेदारी भी सौंपी गई। यह किसी ‘हार्डजैक’ हुई संस्था का नहीं, बल्कि भारत के चुनाव तंत्र पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का प्रमाण है।

वर्ग पहेली 6227

1	2	3	4	5
6			7	
		8		9
11	12		13	
			14	15
16	17		18	
		19	20	
21			22	

संकेतः
बाएँ से दाएँ
१. 1९1९ को बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों के संगीतकार (निघन 6 जनवरी 1९87) ने जन्म लिया था, सुप्रसिद्ध कृति गीत गोवंद के रचयिता (4)
४. मेथिलीशरण गुप्त की सुप्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते है (3)
६. निर्गम, प्रयाग, निकाम (3)
७. मूल तथ्य, चर्चा, वार्तालाप (2)
८. दुइतापूर्वक कही गई बात, नालिश, मुकुंदना, अभियोग (2)
९. जालिम, अत्याचारी, दारिदा (3)
1१. यह भारत का प्रथम स्मार्ट था जिसने मुरालि स्वामीय स्थापित किया (3)
1३. चमगादड़ को यह भी कहते है (3)
1४. संगीत में ऋषभ स्वर सूचक शब्द (1)
1६. जिसकी कोई सीमा न हो, अंतहीन, छोटीहन (3)
18. भारत के हरियाण राज्य का एक नगर जो यमुना नदी के समीप स्थित है (4)
1९. स्कंध, जुलाहों की राह या कुंची (2)
21. मंडछाल से भ्रमण करना, मंद गमन करन, विचरना (3)
22. कसम, सींगध, हलफ, सोहं (3)
ऊपर से नीचे
1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. दो की संख्या, निग्रह (2)
३. देवी, कर्जदार, ऋणग्रस्त (4)
४. यह अमिताभ बच्चन अभिनीत पहली फिल्म थी (6)
5. शीघ्रता से, उत्साहपूर्व (3)
10. महाशय, श्रीमान, महोदय (2)
12. पुण्य दिवस, वार्षिकी (3)
15. भूत, प्रेम आदि के स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
1६. अव्यक्तिगत, असंख्य, आक्रमण (3)
1७. एक डंडे के सिरे पर कपड़ा लपेटकर उसे जलाने से उत्पन्न रोशनी (1)
20. विविध, एक रश्मि, मातामह (2)

वर्ग पहेली 6226 का हल

र	खि	सं	क	र	सु	वल
ज	ल	ख	ग	र	मा	कं
त	य		र	का	र	सा
ष	सू		मा	जं	ध	
ट	ठ	ल	य	जा	ना	
	नु	त	नी	जं	ज	
त	मा	रा	ई	ड	ल	ना
न	न	द	पा	क		ते

आज का राशिफल

मे़ष

आज जीवनसाथी से संवाद बढ़ेगा। जीवनसाथी व व्यापारिक साझेदार से जुड़ी बातचीत में आज स्पष्टता और मिटास बढ़ेगी। चंद्रदेव और शनिदेव की युति व्यंग भाव में और निकट आ रही है। इसलिए आज मानसिक भारीपन महसूस हो सकता है।

मिथुन

आज वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। आपके संताप व रचनात्मकता भाव में प्रवेश कर चुके हैं, इसलिए रचनात्मक कार्यों, शिक्षा व प्रेम से जुड़े मामलों में आज विशेष शुभता रहेगी। कार्यक्षेत्र में गंभीरता और धैर्य आवश्यक रहेगा। करियर से जुड़े बड़े निर्णय फिलहाल के लिए टाल दें।

सिंह

आज आय के मजबूत स्रोत बनेंगे। वित्तीय मामलों में सीधी और स्पष्ट सोच रहेगी। आज गुप्त मामलों व दस्तावेजों में सतर्कता रखें। गहरी भावनाओं को लेकर मानसिक भारीपन महसूस हो सकता है। रिश्तों में साहस के साथ पहल करने का दिन रहेगा।

वृ़ष

आज दिनचर्या और कार्यक्षेत्र के लिए विशेष शुभ दिन है। स्वास्थ्य के लिए दिन शुभ रहेगा। हालांकि, त्वचा संबंधी परेशानी और किडनी से जुड़ी किसी बीमारी को नजरअंदाज न करें। आय संबंधी मामलों में आज धैर्य आवश्यक रहेगा। तुरंत परिणाम की अपेक्षा न करें। भाई-बहन के साथ रिश्ते में गहमा-गहमी हो सकती है।

कर्क

आज पारिवारिक रिश्तों में मिटास और संवाद बढ़ेंगे। भाग्य का साथ पूरी तरह से नहीं मिलने से दबाव महसूस करेंगे। लंबी यात्रा से जुड़े मामलों में सतर्कता और धैर्य जरूरी होगा। व्यक्तित्व में साहस और ज्ञान का संयोग जारी रहेगा।

आज पारिवारिक मामलों में रहेगी मिटास। आपके व्यक्तित्व में मजबूती दिखेगी। वाणी और धन के मामलों में आज लाभ के संकेत हैं। पारिवारिक मामलों में मिटास दिखेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन विशेष शुभ रहेगा। जीवनसाथी के साथ विवाद को टाल दें, धैर्य से संवाद करें।

तुला

आज व्यक्तित्व, बुद्धि और आकर्षण का दुर्लभ संयोग बन रहा है। प्रेम जीवन के लिए दिन विशेष रूप से शुभ रहेगा। दिनचर्या व पाचन संबंधी मामलों में आज सतर्कता रखें। अनुशासन और आराम दोनों जरूरी रहेंगे। दीर्घकालिक योजना बनाकर काम करने से मिलेगा लाभ। मां लक्ष्मी की पूजा करें और उन्हें लाल फूल चढ़ाएं।

धनु

आज आय के नए अवसर बनेंगे, घर के मामलों में धैर्य रखें। गुप्त ज्ञान, शोध, बीमा, फाइनेंस के मामलों में अच्छी सोच के साथ काम करेंगे। बुधदेव शुक्रदेव के साथ आपके लाभ भाव में प्रवेश कर चुके हैं, इसलिए आय और सामाजिक दायरे से जुड़े मामलों में आज विशेष शुभता रहेगी। नए मौके बन सकते हैं।

कूंभ

आज धन से जुड़े फैसलों में जल्दबाजी न करें। आज आपका आकर्षण चरम पर रहेगा। अपनी महवाकांक्षा को पूरी करने के लिए आप शिदत से काम करेंगे। फिर भी योजना बनाकर आगे बढ़ें। वित्तीय मामलों में आज गंभीरता व धैर्य जरूरी रहेगा।

वृ़श्चिक

आज प्रेम जीवन में भावनात्मक गंभीरता रहेगी। उच्च शिक्षा से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के मौके बन सकते हैं। भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। कफ संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी।

मकर

आज कार्यक्षेत्र में सफलता का विशेष शुभ दिन है। आज गंभीरता से काम लेने की जरूरत रहेगी, धैर्य रखें। कार्यक्षेत्र में आसंवाद व आकर्षण का विशेष लाभ मिलेगा। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिल सकती है। पिता का सहयोग और मदद मिलेगी है। जीवनसाथी भाव में आय के मौके संभव हैं।

मीन

आज व्यापारिक साझेदारी से लाभ मिलेगा। व्यक्तित्व में गहरी भावनात्मक गंभीरता और आत्म-अनुशासन का दिन रहेंगे। निर्णयों में देरी या भावनात्मक भारीपन से बचें। साझेदारी भाव में सूर्यदेव आज अकेले विराजमान रहेंगे, इसलिए जीवनसाथी व साझेदारी में आज सीधी व स्पष्ट सोच रहेगी।

संक्षिप्त

समाचार

आईपीओ ओपन,जीएमपी पहुंचा 33 रुपये, 30 सितंबर तक खुला रहेगा इश्यू

नईदिल्ली, एंजेंसी। कंपनी का आईपीओ 30 सितंबर को खुलेगा। आईपीओ का साइज 218.40 करोड़ रुपये का है। आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। कंपनी 1.68 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। बता दें, मौजूदा निवेशक एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं। यानी ऑफर फार सेल जीरो है। आईपीओ 30 सितंबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये से 130 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 115 शेयरों का एक लॉट बनाया है।



जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14950 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, च्वाइस कैपिटल एडवाजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं, कैफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इस आईपीओ में त्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, एनआईआई के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। वहीं, एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत रिजर्व रहेगा। मौजूदा प्रोडक्ट्स के आधुनिकीकरण और रिडेवलपमेंट के लिए 12.86 करोड़ रुपये प्रयोग किया जाएगा। वर्किंग कैपिटल के लिए 124 करोड़ रुपये का प्रयोग होगा। बाकि पैसा जनरल कॉर्पोरेट कार्यों में प्रयोग होगा। मौजूदा समय में प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप की हिस्सेदारी 84.91 प्रतिशत की है। वहीं, पब्लिक के पास 15.09 प्रतिशत हिस्सा है। इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 33 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। मौजूदा जीएमपी 25 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। लगातार दूसरे दिन जीएमपी में स्थिर है। बता दें, शुरू में जीएमपी 12 रुपये था। यानी तब से अबतक आईपीओ के जीएमपी में 21 रुपये का इजाफा हुआ है।

संडे काम कराया और अब मंडे को भी ऑफिस आना ही पड़ेगा

नई दिल्ली, एंजेंसी। बैंक यूनियन ने आज से प्रस्तावित अपनी हड़ताल वापस ले ली है। इस हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक



यूनियंस ने किया था। हड़ताल स्थगित होने के बाद सोमवार को बैंक सामान्य रूप से काम करेंगे। इस प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए सरकारी और रीजनल बैंक रविवार को खुले थे। कई कर्मचारियों ने प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर अपनी छुट्टियां भी प्लान कर ली थी। इसे लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कई मजेदार कमेंट किए हैं। एक यूजर ने कहा, ‘जिन बैंक कर्मचारियों ने शनिवार और रविवार को हड़ताल के साथ मिलाकर छुट्टी का ट्रिप प्लान किया था और पहले ही निकल चुके हैं, उनके साथ तो यह धोखा ही हुआ है। अब तो ऑफिस आना ही पड़ेगा।’ एक यूजर ने कहा, ‘यार ऐसे गेम में चींटिंग होगी तो मैं नहीं खेलूंगा।’ यूजर्स ने स्रक्र को भी आड़े हाथ लिया है। एक यूजर्स ने लिखा, ‘शर्म करो स्रक्र बैंकों को तीन दिन की हड़ताल की कॉल देने के बाद स्रक्रने अंतिम क्षणों में स्ट्राइक स्थगित कर दी। हजारों लोग इसके लिए तैयार थे। बैंकरों ने अपने संडे भी कुर्बान कर दिया। यूयूमेंट इसके लिए तैयार था और फिर यह अंजाम। स्रक्र आपने बैंकर्स के लिए संडे को ब्लैक संडे बना दिया।’

डीसीबी से लेकर आरबीएल तक, बैंक पांच साल में दे रहे मोटारिर्टन

नई दिल्ली, एंजेंसी। देश में निवेश के कई सारे तरीके और विकल्प हैं। इनमें से बैंक एफडी (फिवरस्ड डिपॉजिट) को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। इसमें आप एकमुश्त राशि किसी तय समय के लिए जमा करते हैं, जिसपर आपको पहले से तय ब्याज दर के हिसाब से रिटर्न मिलता है। लोग एक साल से लेकर 5 साल या उससे अधिक तक की एफडी करते हैं। इस बीच हम आपको ऐसे पांच बैंकों के बारे में बता रहे हैं, जो पात्र ग्राहकों को 6.7 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक की सालाना ब्याज दर से एफडी पर रिटर्न देते हैं। यह एफडी योजना 5 साल के निवेश के लिए है। 5 साल की एफडी के लिए ब्याज दर बैंकों के हिसाब से अलग-अलग हो सकती हैं। आरबीएल बैंक अपनी एफडी पर 6.7 फीसदी का ब्याज देता है। बैंक की बात करें तो यह पांच साल की एफडी पर सालाना 6.8 प्रतिशत का ब्याज देता है।

आरटीएस पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर ने कर दी पैसों की बारिश

नई दिल्ली, एंजेंसी। सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कुछ ही देर में सेंसेक्स करीब 900 अंक तक गिर गया। इसके बाद भी कई शेयरों ने निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा दिया। इन्हीं में एक शेयर आरटीएस पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का है। इस शेयर ने गिरते बाजार में सुबह-सुबह ही पैसों की बारिश कर दी और सीधे अपर सर्किट पर पहुंच गया। आरटीएस पावर का शेयर शुक्रवार को 104.62 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार को यह तेजी के साथ 115.01 रुपये पर खुला। कुछ देर में यह 20 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 125.54 रुपये पर पहुंच गया। सुबह 10 बजे तक इसमें यही तेजी बनी हुई थी। शेयर भी अपने 20 प्रतिशत के अपर सर्किट के नजदीक कारोबार कर रहे थे। इस शेयर ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। एक महीने में इसमें 37 फीसदी की तेजी आई है।

टाटा संस या टाटा ट्रस्ट्स: एजीएम को लेकर टाटा ग्रुप की कंपनियों के सामने पैदा हुई बड़ी मुश्किल

नई दिल्ली, एंजेंसी। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस अगले एक महीने के दौरान एजीएम की योजना बना रही है। इसे लेकर ग्रुप की ऑपरेटिंग कंपनियों के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है। टाटा संस के डायरेक्टर के तौर पर एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और होल्डिंग कंपनी के बोर्ड के बीच मतभेद अब सार्वजनिक हो गए हैं। ऐसे में इन कंपनियों को डर है उन्हें किसी एक पक्ष का साथ देने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, इंडियन

होटल्स कंपनी, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टाटा पावर और टाटा केमिकल्स जैसी कंपनियों के सामने मुश्किल चुनाव है। या तो वोट करके किसी एक पक्ष का समर्थन करने का जोखिम उठाएं या फिर ऐसे विवाद से दूर रहें जिसके ग्रुप पर बड़े असर पड़ सकते हैं। लगभग 10 ऑपरेटिंग कंपनियों की टाटा संस में कुल मिलाकर 12.86 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इससे शेयरहोल्डर्स के जटिल गणित में उनके वोट अहम हो जाते हैं। टाटा संस के बोर्ड ने 17 सितंबर को एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें चंद्रशेखरन को अगले पांच साल के लिए एजीक्यूटिव चेयरमैन के तौर

पर दोबारा नियुक्त किया गया। उनका मौजूदा कार्यकाल आधिकारिक तौर



पर अगले साल फरवरी में खत्म हो रहा है। नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का विरोध किया है। टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की करीब

66 फीसदी हिस्सेदारी है।

चंद्रशेखरन अक्टूबर 2016 में

टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए थे और जनवरी 2017 में उन्हें कंपनी का चेयरमैन बनाया गया था। उन्हें डायरेक्टर के तौर पर दोबारा नियुक्त

किए जाने की जरूरत है। इसकी वजह यह है कि टाटा संस के एजीक्यूटिव चेयरमैन के तौर पर उनकी भूमिका कानूनी रूप से बोर्ड में उनकी स्थिति बनाए रखने पर निर्भर करती है। एक सूत्र ने कहा, ‘यह गलत है कि ऑपरेटिंग कंपनियों को ऐसे मामले में घसीटा जा रहा है जो असल में ट्रस्ट्स और टाटा संस से जुड़ा है। यह ऐसी स्थिति है जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।’ ग्रुप के जटिल क्रॉस-होल्डिंग स्ट्रक्चर का मतलब है कि कई ऑपरेटिंग कंपनियां और शेयरहोल्डर्स के हित वोटिंग के गणित का हिस्सा बन सकते हैं। इससे वे ऐसे गवर्नेंस विवाद में खिंच

सकती हैं जिनसे वे बचना चाहेंगी। एक बड़ी कंसल्टिंग फर्म के फाउंडर ने कहा, ‘यह बहुत पेचीदा मामला है। मुझे लगता है कि अगर कंपनियों के फैसले को आखिरकार सिर्फ एक ‘परसेप्शन गेम’ के तौर पर देखा जाने वाला है, तो वे वोटिंग से दूर रहने पर भी विचार कर सकती हैं।’ कंपनियों को आखिरकार अपने बिजनेस और शेयरहोल्डर्स के फायदे को ध्यान में रखकर ही काम करना होगा। ऐसे में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के पक्ष या विपक्ष में वोट देने को टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच के रिश्तों पर एक बड़े नजरिए के तौर पर देखा जा सकता है।

गोल्ड-सिल्वर में बड़ी गिरावट

1.50 लाख से नीचे आया सोना, चांदी 6121 रुपये लुढ़की

नईदिल्ली, एंजेंसी। सोने-चांदी के भाव आज धड़ाम हो गए हैं। घरेलू कर्मांडूटी मार्केट में आज 10 ग्राम सोने का भाव 2675 रुपये सस्ता होकर 148025 रुपये पर आ गया है। जबकि, चांदी के रेट में बड़ी गिरावट है। आज साढ़े नौ बजे के करीब एमसीएक्स सिल्वर 6121 रुपये टूटकर 228879 रुपये प्रति किलो पर आ गई। सोने-चांदी के ये रेट स्पॉट प्राइस नहीं है। ये वायदा भाव हैं। एमसीएक्स पर जो रेट चल रहे हैं, उसके आसपास ही सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के रेट खुलते हैं।

एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार, 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर आज की डेट तक 45071 रुपये तक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर का ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 191169 रुपये सस्ता हो चुका है।

सोने की कीमतों में सोमवार को गिरावट देखने को मिली। पिछले सप्ताह 2 फीसदी से ज्यादा गिरने के बाद स्पॉट गोल्ड करीब 0.5 फीसदी टूटकर 4,261.59 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। सुबह 7:56 बजे सिंगापुर में सोना करीब 4,265 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। सितंबर में सोना करीब 4,230 से 4,510 डॉलर प्रति औंस के दायरे में कारोबार कर रहा है। जनवरी में करीब 5,600 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद यह उससे काफी नीचे है। सोने पर सबसे बड़ा दबाव फिलहाल अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर

बदलती उम्मीदों और महंगे कच्चे तेल से बन रहा है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने के लिए अपनी शर्तों में नरमी



से इनकार किया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि इस सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद है। सोने के साथ चांदी में भी गिरावट रही। स्पॉट सिल्वर 0.8 फीसदी गिरकर 63.77 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। पिछले सप्ताह चांदी करीब 3 फीसदी कमजोर हुई थी। प्लैटिनम और पैलेडियम में भी गिरावट दर्ज की गई।

होर्मुज संकट के कारण तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इस साल ब्रेंट क्रूड करीब 70 फीसदी चढ़ चुका है। महंगे तेल से महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है। इसका सीधा असर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति पर पड़ सकता है। क्लीवलैंड फेड की चेयरमैन बेथ हैमैक ने कहा कि लंबी अवधि की अमेरिकी ट्रेजरी

संभावना जैसे कारण हैं। फेड अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में बेंचमार्क ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर सर्वसम्मति से फैसला किया था। इसके बाद कई अधिकारियों ने संकेत दिया है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए आगे भी दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। बाजार में अक्टूबर में एक और दर बढ़ोतरी की संभावना करीब 65 फीसदी आंकी जा रही है।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती ने भी सोने की तेजी को सीमित किया है। ब्लूमबर्ग डॉलर स्पॉट इंडेक्स सोमवार को 0.1 फीसदी ऊपर था और इस महीने की शुरुआत से अब तक करीब 2 फीसदी चढ़ चुका है। आमतौर पर डॉलर मजबूत होने पर डॉलर में कीमत वाला सोना दूसरे देशों के खरीदारों के लिए महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग पर दबाव आ सकता है।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती ने भी सोने की तेजी को सीमित किया है। ब्लूमबर्ग डॉलर स्पॉट इंडेक्स सोमवार को 0.1 फीसदी ऊपर था और इस महीने की शुरुआत से अब तक करीब 2 फीसदी चढ़ चुका है। आमतौर पर डॉलर मजबूत होने पर डॉलर में कीमत वाला सोना दूसरे देशों के खरीदारों के लिए महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग पर दबाव आ सकता है।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती ने भी सोने की तेजी को सीमित किया है। ब्लूमबर्ग डॉलर स्पॉट इंडेक्स सोमवार को 0.1 फीसदी ऊपर था और इस महीने की शुरुआत से अब तक करीब 2 फीसदी चढ़ चुका है। आमतौर पर डॉलर मजबूत होने पर डॉलर में कीमत वाला सोना दूसरे देशों के खरीदारों के लिए महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग पर दबाव आ सकता है।

नेहरू-शास्त्री के दौर की शान और अटल जी का वो फैसला, ‘एंबेसडर’ कार की पूरी दास्तान

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का इतिहास ‘एंबेसडर’ के बगैर अधूरा है। हिंदुस्तान मोटर्स की यह कार आजाद भारत की पहचान, सत्ता के गलियारों की शान और हर भारतीय परिवार का भावनात्मक हिस्सा रही है। साल 1958 से लेकर 2014 तक देश की सड़कों पर इन्होंने बेताज बादशाह की तरह राज किया। इसने ब्रिटिश मॉडल (मॉरिस ऑक्सफोर्ड सीरीज से सफर शुरू कर देश के कोने-कोने में अपनी अनूठी छाप छोड़ी। साल 1958 की बात है। हिंदुस्तान मोटर्स की ‘एंबेसडर’ ने भारतीय सड़कों पर कदम रखा। यह देश में बनने वाली पहली कार होने के साथ ‘मेक इन इंडिया’ कॉन्सेप्ट का अनूठा प्रतीक बन गई।

अमेरिका में अर्थशास्त्र की पढ़ाई, फिर भारत में एकड़ा सुई-धागा, ऐसा ब्रांड बनाया कि अनन्या पांडे भी दीवाना

नई दिल्ली, एंजेंसी। शिवांग चंदना दिल्ली में पले-बढ़े हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट जगत के बजाय सिलाई और डिजाइनिंग की ओर कदम बढ़ाने का फैसला किया। यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन से पढ़ाई करने के बाद साल 2020 के लॉकडाउन के दौरान उन्होंने शोक में अपने ब्रांड की नींव रखी। इसका नाम ‘पास्ट मॉडर्न’ है। आज यह ब्रांड भारत की पारंपरिक शिल्प कला और मॉडर्न स्ट्रीटवियर के बीच की खाई को पाटने का काम कर रहा है। इसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना ली है। आइए, यहां शिवांग चंदना की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

यूट्यूब से सीखी सिलाई: दिल्ली के शिवांग चंदना ने अमेरिका में अर्थशास्त्र और एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और सिलिकॉन वैली के स्टार्टअप में इंटरनशिप की। हालांकि, फिल्मी किरदारों से प्रभावित होकर फैशन के प्रति उनके मन में जागी जिज्ञासा ने आखिरकार उन्हें महामारी के दौरान यूट्यूब से सिलाई सीखने और कपड़े डिजाइन करने के लिए प्रेरित किया। जब उन्होंने खुद के बनाए कपड़े कॉलेज में पहनने शुरू किए और दोस्तों की तारीफ मिली तो उन्होंने कॉर्पोरेट की सुरक्षित दुनिया को छोड़कर अपने इसी जुनून को ही अपना करियर बनाने की ठान ली। जयपुर, उदयपुर, ओडिशा और कश्मीर जैसे पारंपरिक शिल्प क्लस्टर का दौरा करने के वक्त शिवांग ने महसूस किया कि इन परिवारों की नई पीढ़ी कम आमदनी के चलते इस पुरतैनी काम को जारी नहीं रखना चाहती है।

उत्तर रेलवे				
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मर्दों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उच्च मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे जगन्नाथी वर्कशॉप-135002 द्वारा फर्नी को निम्नलिखित मर्दों के लिये ई-निविदाओं के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है :-				
क्रम संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	बंद होने की तिथि
1.	612571408	रिव बॉर्ड कैबिनेट	05 सेट्स	29 अक्टूबर 2026
निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। 3. कैंडिड नोटिस संख्या:- 612571408				
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT INVITATION FOR BIDS (IFB)					
The Executive Engineer HPPWD, Division Naudaun District Hamirpur H.P on behalf of Governor of H.P Invites the Percentage rate bids, in electronic tendering system from the eligible class for the works as detail on the table below:-					
Sr. No.	Name of Work	Estimated cost (Rs.)	Starting Date for downloading Bid	EMD (Rs.)	Deadline for Submission of Bid
1	C/o Cremation Ground at Babran in G.P. Kitalp Tehsil Naudaun Distt. Hamirpur. (SH- C/O Cremation Shed. Bath room ilc WS & SI, Boundary wall, Site development and C/O Siting Shed etc.) Time Limit- Six Months	73,37,518/-	03-10-2026 from 10.30 AM	1,46,800/-	09-10-2026 upto 10.30 AM
2	C/o Cremation Ground at Naudaun Tehsil Naudaun Distt. Hamirpur. (SH- C/O Cremation Shed. Bath room ilc WS & SI, Boundary wall, Site development and C/O Siting Shed etc.) Time Limit- Six Months	73,39,067/-	03-10-2026 from 10.30 AM	1,46,800/-	09-10-2026 upto 10.30 AM
The bidders are advised to note other details of tenders from the department website. HIM SUCHANA AVAM JAN SAMPARK					
Executive Engineer, Naudaun Division, HPPWD, Naudaun. Pin Code 177033 Telephone No. 01972-298570 e-mail: ee-pwdn-hp@hp.gov.in On behalf of Governor of Hima.chal pradesh.					
R.No.3714/2026-2027					

पीसी ज्वेलर डेडलाइन से पहले चुकाया सारा कर्ज मुक्त

बाजार में भारी गिरावट के बीच उछला कंपनी का शेयर

नई दिल्ली, एंजेंसी। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच शेयर आज शुरुआती कारोबार

समस्या को सुलझाना था। कंसोर्टियम के अन्य सदस्यों में यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक,



में चार फीसदी उछल गया। कंपनी ने दावा

किया है कि उसने सभी 14 कंसोर्टियम बैंकों का बकाया चुका दिया है और अब वह कर्ज-मुक्त हो गई है। इससे बीएसई पर कंपनी का शेयर 4 प्रतिशत उछलकर 14.63 रुपये पर पहुंच गया। छह महीनों में इस शेयर में 89 प्रतिशत की तेजी आई है। कंपनी के कर्जमुक्त होने के बाद निवेशकों का भरोसा और बढ़ने की उम्मीद है। शुक्रवार को घोषणा की कि उसने तय समय से पहले ही अपना सारा कर्ज चुका दिया है। कर्ज-मुक्त होने से कंपनी की बेलेंस शीट और वित्तीय स्थिति काफी मजबूत होगी। कंपनी और एसबीआई की अगुवाई वाले 14 बैंकों के कंसोर्टियम ने सितंबर 2024 में एक सेटलमेंट एग्रीमेंट पर साइन किए था। इसका मकसद मार्च 2024 तक लगभग 4,100 करोड़ रुपये के फंसे हुए कर्ज की

एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक, कऱरू वैश्य बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और फर्स्ट बैंक शामिल थे। मार्च में कंपनी का शेयर 7.47 रुपये के 52-हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन उसके बाद इसमें काफी तेजी आई है। पिछले सत्र में यह 14.12 रुपये पर बंद हुआ था।

कंपनी के शेयरों में एक हफ्ते में 11 प्रतिशत और एक महीने में 30 प्रतिशत की बढ़त हुई है। पिछले एक साल में स्टॉक में 17 प्रतिशत की तेजी आई है। इसमें तीन साल में 443 प्रतिशत और पांच साल में 439 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस साल की पहली तिमाही में कंपनी ने 222 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट बताया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या ETRU-T-15-2026-27 & ETRU-T-16-2026-27

वॉरि, मंडल विद्युत अभियंता/ कवि/ उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	लगभग लागत	घरोहर राशि	कार्य पूरा बैठता करने की अवधि	अवधि	टेण्डर फॉर्म की कीमत
ETRU-T-15-2026-27	केजेवाईसी वार्ड में शावर टैरेटिंग सुविधा के प्राक्धान के संबंध में 50 हर्ट्ज, सिंगल फेज 25 कैंवी एसी ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग हेतु कार्य।	21.10.2026	23,69,028.79/-	47,400/-	04 महीने	60 दिन	downloading through IREPS portal. (Rs. 3,000/- Sr. DEE/ TRD/UMB ऑफिस से हाईड कॉपी के लिए)
ETRU-T-16-2026-27	अम्बाला मंडल के विभिन्न रेल अनुभागों में करंट कलेक्शन परीक्षण के लिए रूट डेटा मैपिंग का कार्य।	21.10.2026	34,42,659.20/-	68,900/-	06 महीने	60 दिन	downloading through IREPS portal. (Rs. 3,000/- Sr. DEE/ TRD/UMB ऑफिस से हाईड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN / GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है।

2. निविदाकार के पास ई-निविदा में भाग लेने के लिए क्लार-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए।

3. कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे।

4. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये।

संख्या: ETRU-T-15-2026-27 & ETRU-T-16-2026-27

दिनांक: 28.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3372/2026

उत्तर रेलवे					
ई-निविदा सूचना					
उप मुख्य अभियंता/जीएस/यूएमबी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए, निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत खुली निविदाएं (ई-टेंडर) आमंत्रित करते हैं। ये निविदाएं www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं तथा इनकी अंतिम तिथि 17.10.2026 को 14:00 बजे तक है। निविदाकार केवल निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोली प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के विरुद्ध मैनुअल (हस्तचालित) प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा प्राप्त होने पर ऐसे प्रस्तावों को अनदेखा किया जाएगा। ठेकेदार इस निविदा के अंतर्गत अर्जित धनराशि (Earnest Money) का मुगतान www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद रूप में अथवा भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा जारी बैंक गारंटी बॉण्ड के रूप में या निविदा दस्तावेज के अनुसार कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें।					
निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली	निविदा अपलोड तिथि	निविदा प्रारंभ तिथि	बोली समापन तिथि (समय)
खुला	इंजि. जीएस	एकल पैकेट प्रणाली	26.09.2026	03.10.2026	17.10.2026 (14:00 बजे तक)
क्र.सं./ निविदा सं.	कार्य का नाम				
1	सरायबंजारा रेलवे स्टेशन पर 3.0 मीटर चौड़े पैदल ऊपरी पुल का प्राक्धान।				
	विज्ञापन मूल्य	अंतिम राशि	प्रस्ताव की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	
	33596043.98/-	671900/-	60 दिन	06 माह	
समान प्रकृति का कार्य :- "धरली रेलवे लाइन पर गडरौ, धू गडरौ, प्लेट गडरौ, एफ.ओ.बी. आदि का फाँकिलेज, आपूर्ति, संयोजन, स्थापना एवं लॉन्गिंग/री-गडरिंग का कार्य।"					
नोट: निविदा में भाग लेने से पूर्व, निविदाकार यह सुनिश्चित कर लें कि उक्त निविदा के विरुद्ध कोई संशोधन/परिशिष्ट जारी तो नहीं किया गया है।					
खुली निविदा सूचना संख्या NIT-03-GS-Engg-UMB-2026-27, दिनांक 26.09.2026					
ग्राहकों की सेवा में मुक्तान के साथ					
					3363/2026

अपने घर को खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है इनडोर प्लांटिंग

आज के समय में अधिकतर लोग प्लांटिंग करना काफी पसंद करते हैं। भले ही स्पेस कम हो, लेकिन फिर भी वे इनडोर प्लांटिंग करते हैं। यह अपने घर को बेहद ही खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपने घर के अंदर प्लांट्स लगाएं और वे कुछ ही दिनों में मुरझा जाएं या फिर उनकी ग्रोथ ही ना हो, तो यकीनन आपको काफी निराशा होगी। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते समय हम उतना ध्यान नहीं देते हैं। पौधे के पोषक तत्व मिट्टी से ही मिलती है। अमूमन इनडोर प्लांटिंग के लिए हमें पॉटिंग मिक्स भी तैयार करना होता है। चूंकि आपके आसपास कई तरह की मिट्टी होती है तो आपको पहले अपने पौधे और उसकी जरूरतों को समझना होता है और फिर उसी के अनुसार मिट्टी का चयन करना होता है।

पॉटिंग मिक्स का करें चयन

इनडोर प्लांटिंग के लिए पॉटिंग मिक्स सबसे अच्छे माने जाते हैं। इनमें काई, वर्मीक्यूलाइट और पेलीट आदि का एक सही मिश्रण होता है। ऐसे में जब इनका इस्तेमाल इनडोर प्लांट्स के लिए किया जाता है तो उसे सभी आवश्यक पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। इतना ही नहीं, इनका ड्रेनेज सिस्टम भी काफी अच्छा होता है। जिसके कारण प्लांट्स में रूट रॉट या ओवरवॉटरिंग की समस्या नहीं होती है।

पोषक तत्वों पर दें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते हैं तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि उस मिट्टी या पॉटिंग मिक्स में पर्याप्त पोषक तत्व हो। चूंकि इनडोर प्लांट्स बाहरी पौधों की तरह प्राकृतिक वातावरण से पोषक तत्व प्राप्त नहीं कर पाते हैं और इसलिए वे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों पर निर्भर होते हैं।

चेक करें पीएच लेवल

मिट्टी के पीएच लेवल का सीधा असर प्लांट की ग्रोथ पर पड़ता है। हर प्लांट की जरूरतें अलग होती हैं। हालांकि, अधिकतर इनडोर प्लांट्स थोड़ा सा एसिडिक से न्यूट्रल पीएच रेंज पसंद करते हैं। इसलिए, जब भी आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनें, तो यह देखें कि वह आपके प्लांट्स की जरूरतों को पूरा करता हो।

कंटेनर साइज का भी रखें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांटिंग के लिए मिट्टी को चुन रहे हैं तो आपको कंटेनर के साइज का भी खयाल रखना चाहिए। मसलन, प्लांटिंग के लिए पॉट साइज छोटा है तो आपको लाइट मिक्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे ओवर वॉटरिंग की समस्या ना हो। वहीं अगर पॉट साइज बड़ा है तो ऐसे में आपको ऐसी मिट्टी चुननी चाहिए, जिसमें एयरेशन या ड्रेनेज को लेकर समस्या ना हो।

स्टेरलाइज मिक्स का करें इस्तेमाल

कुछ इनडोर प्लांट्स कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक सेन्सेटिव होते हैं। ऐसे में आपको उनके लिए स्टेरलाइज पॉटिंग मिक्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे पौधों में रोगजनकों के प्रवेश के जोखिम को कम करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है।

गार्डन की मिट्टी ना करें इस्तेमाल

जब भी आप इनडोर प्लांटिंग कर रहे हैं तो आपको इस बात का खास खयाल रखना चाहिए कि आप गार्डन की मिट्टी का इस्तेमाल ना करें। गार्डन की मिट्टी थोड़ी अलग होती है और यह कॉम्पैक्ट हो सकती है। जिससे मिट्टी में एयरेशन और ड्रेनेज की समस्या हो सकती है। इससे पौधा मर भी सकता है।



कहीं आप भी तो नहीं हैं लो कॉन्फिडेंस की शिकार?

कॉन्फिडेंस कम होने के कारण जीवन के हर पड़ाव पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि अपनी कमजोरी को दूर कर आप अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने पर फोकस करें।

आत्मविश्वास जीवन में सफलता की कुंजी है। हालांकि कई बार परिस्थितियां व्यक्ति को आत्मविश्वास में कमी का शिकार बना देती हैं। धीरे-धीरे व्यक्ति पूरी तरह से अपना आत्मविश्वास खो देता है। कई बार व्यक्ति को खुद यह अंदाजा नहीं होता है कि उसमें असल में आत्मविश्वास की कमी है। कुछ संकेतों से यह समझा जा सकता है कि किसी में आत्मविश्वास की कमी तो नहीं। साथ ही कुछ बातों का ध्यान रखकर आत्मविश्वास को वापस भी पाया जा सकता है। तो चलिए इसी के साथ आर्टेमिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से जानते हैं आत्मविश्वास बढ़ाने के आसान तरीके।

आत्मविश्वास में कमी के ये हैं लक्षण?

अगर आप निर्णय लेने में घबराते हैं, हमेशा दूसरों से नकारात्मक रूप में अपनी तुलना करते हैं, किसी से मदद लेने में संकोच करते हैं, अपने बारे में नकारात्मक बातें बोलते हैं और विफलता का डर आपको घेरे रहता है, तो आपमें आत्मविश्वास की कमी है। अगर खुद में ऐसी आदतें पनपती नजर आएं तो सतर्क हो जाएं और ऐसे कदम उठाएं जिससे

आपका आत्मविश्वास लौट आए। अपनी तारीफ को स्वीकार नहीं कर पाना, भविष्य को लेकर शंका में घिरे रहना और हमेशा लोगों को खुश करने की कोशिश में लगे रहना भी इसी का लक्षण है।

खुद को जानें

आत्मविश्वास की ओर बढ़ने की पहली सीढ़ी है खुद को समझना। अपने बारे में आने वाले नकारात्मक विचारों को मन से हटाइए और सकारात्मक बातें सोचिए। अगर कोई बात पसंद न आए तो सामने वाले को न कहना सीखिए। दूसरों से अपनी तुलना बंद कीजिए और कुछ ऐसा कीजिए जो आपको पसंद हो। हमेशा दूसरों की पसंद खुद पर हावी मत होने दीजिए।

अच्छी बातों का जश्न मनाइए

कभी-कभी हम अपने बारे में इतने नकारात्मक हो जाते हैं कि अच्छी बातों पर भी खुशी नहीं मना पाते हैं। ऐसा मत कीजिए। अगर कुछ अच्छा हो तो उसका जश्न मनाइए। अगर आपने कुछ अच्छा किया है और कोई आपकी तारीफ कर रहा है, तो उसे स्वीकारिए। अपने बारे में उन बातों की सूची बनाइए, जो आपको पसंद हैं। अगर आप लोगों के मुंह से बुराइयां सुनकर दिल से लगा लेते हैं, तो अच्छाइयों को भी स्वीकारना सीखिए।

भरोसेमंद लोगों का नेटवर्क बनाइए

जीवन में कुछ ऐसे लोगों का साथ जरूरी है, जिनके साथ आपको अच्छा अनुभव होता हो। मन में कोई बात हो तो किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा कीजिए। अपना कोई

दुख ऐसे व्यक्ति से ही साझा कीजिए, जिस पर भरोसा हो। उन लोगों से बात कीजिए, जिनसे बात करके सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

खुद को चुनौती दीजिए

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी है कि खुद को चुनौतियां दीजिए और फिर उन चुनौतियों को पूरा करने के बाद खुद को पुरस्कृत कीजिए। जब हम कोई चुनौती पूरी करते हैं, तो हमारा मन अपनी क्षमता को स्वीकारने के लिए प्रेरित होता है। एक बात ध्यान रहे, शुरुआत में अपने समक्ष छोटे-छोटे लक्ष्य रखिए। इससे लक्ष्य को पाना आसान होता है और एक के बाद एक लक्ष्य पाते रहने से आत्मविश्वास भी बढ़ता जाता है।



बचपन में ही सिखाएं बच्चे को सोशल स्किल्स

बच्चों को बचपन में काफ़ी सारी बातें सिखाई जाती है। फिर चाहे वो खुद खाना खाने की बात हो या फिर उन्हें किसी बात को लेकर समझाने की। बच्चों को एक बार जो सिखा दिया जाता है, उसके बाद उन चीजों में बदलाव करना मुश्किल होता है, क्योंकि बच्चे इस बात को समझने के लिए तैयार नहीं होते की जो पहले सिखाया वो सही है या जो बाद में उसे सिखाया जा रहा है वह सही है। ऐसे में अगर आप बच्चे के साथ स्ट्रॉन्ग रिलेशन शेयर करना चाहते हैं तो आपको बचपन में ही बच्चे को सोशल स्किल्स सिखाने की जरूरत है।

जानें 5 जरूरी स्किल्स, जो हर किसी को अपने बच्चे को कम उम्र में ही सिखाना चाहिए।

चीजें बाटना (शेयर करना)

बचपन से सिखाना चाहिए कि 'शेयरिंग इज केयरिंग' यानि दूसरों के साथ बाटना देखभाल करने जैसा है। अपने बच्चों को शेयर करने के महत्व को बताने से स्ट्रॉन्ग रिलेशन बनाने में मदद मिल सकती है। शेयर करना बच्चों को समझौता और निष्पक्षता सिखाता है। इससे उन्हें यह सीखने में मदद मिलती है कि अगर वे दूसरों को थोड़ा देते हैं, तो बदले में उन्हें भी कुछ मिल सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे केवल तभी शेयर करने की इच्छा दिखाते हैं जब उनके पास बहुत ज्यादा मात्रा में चीजें हों, तीन से छह साल की उम्र के बीच, वे थोड़े स्वार्थी होते हैं। सात या आठ साल की उम्र तक, बच्चे निष्पक्षता के बारे में अधिक परेशान हो जाते हैं और दूसरों के साथ शेयर करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

सुनना सुनना एक और सोशल स्किल है, जिसमें ज्यादातर लोगों की कमी

होती है, जिसमें बड़े भी शामिल हैं। सुनने का अर्थ यह नहीं है कि जब दूसरा बोल रहा हो तो चुप रहना, बल्कि समझना कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। जैसे बातचीत में बात करना और अपनी बात सामने रखना जरूरी है, वैसे ही सुनना भी जरूरी है। यह बच्चों को अकेडमिक्स में भी मदद करता है।

को-ऑपरेटिंग

सहयोग का मतलब आम तौर पर एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ अच्छे ढंग से काम करना होता है। स्किल्स में महारत हासिल करने से दूसरे व्यक्ति और समुदाय के साथ जुड़ने में मदद मिलती है। एक-दूसरे का सहयोग करने से बच्चों को दूसरों से सम्मान भी मिलता है। किसी भी लक्ष्य को आधा पूरा करने से उन्हें दूसरे लोगों की भावनाओं और विचारों को स्वीकार करना सीखने में मदद मिलेगी।

पर्सनल स्पेस की रिस्पेक्ट

हर रिश्ते की शारीरिक और भावनात्मक सीमाएं होती हैं। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अलग होता है, और हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। कई बार मिलनसार होते हुए भी ज्यादातर लोग हदें पार कर जाते हैं। मिलनसार होना और दूसरों के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना दो अलग-अलग चीजें हैं और दोनों के बारे में पता होना चाहिए। अपने बच्चे को सिखाएं कि कैसे परमिशन मांगें और बाउंडरी की पहचान करें।

मैनर्स

अच्छे मैनर्स सिखाना भी सोशल स्किल्स का एक हिस्सा है। थैंक यू, सॉरी का सही इस्तेमाल और टेबल तरीके का इस्तेमाल करने का एक अच्छा तरीका आपकी काफी मदद कर सकता है। ये स्किल स्कूल में पढ़ाए जाते हैं, लेकिन आपको भी इसकी प्रैक्टिस बच्चों से करवाते रहना चाहिए।

सोशल मीडिया पर ऐसे ऐसे पहचानें फेक प्रोफाइल

सोशल मीडिया पर अक्सर अनजान प्रोफाइल से फ्रेंड, फॉलो और मैसेज रिकेस्ट आती रहती हैं। कई बार अनजान द्वारा भेजी गई रिकेस्ट भी हम स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन सावधान! यहां ऐसी कई प्रोफाइल हैं जो असली नहीं हैं। ये तो अकाउंट्स हैं जिन्हें धोखाधड़ी के लिए ही बनाया गया है। टग फेक आईडी बनाकर लोगों से जुड़ते हैं, उनकी गतिविधियों पर नज़र रखकर अपना शिकार बनाते हैं। ऐसे में कौन-सी प्रोफाइल असली हैं और कौन-सी नहीं, यह जानकारी आवश्यक बन जाती है।

क्या करते हैं टग?

पहले टग फेक प्रोफाइल से रिकेस्ट भेजते हैं, स्वीकार होने पर व्यक्ति की गतिविधियों पर नज़र रखते हुए जानकारी चुराते हैं। मैसेज के जरिए टगने की कोशिश कर सकते हैं। आईडी हैक कर सकते हैं या बैंक खाता खाली कर सकते हैं।

ऐसे पहचानें...

- फेक अकाउंट में तस्वीर किसी अन्य व्यक्ति की होती है, लेकिन व्यक्ति की जानकारी नहीं होती। कुछ मामलों में जानकारी और विवरण किसी और का हो सकता है। ये बड़ी संख्या में फॉलो करेंगे, लेकिन इनके फॉलोअर्स कम या शून्य होंगे। पोस्ट भी शून्य रहेगी। ऐसा भी हो सकता है कि प्रोफाइल पिक्चर भी न हो।
- गूगल इमेज सर्च टूल से प्रोफाइल पर लगी तस्वीर को स्कैन करें। अगर प्रोफाइल फोटो नकली होगी तो इसके जरिए पता चल जाएगा कि तस्वीर कहां से ली गई है।

- मैसेज पर बातचीत के दौरान व्यक्ति लालच दे सकता है, जैसे क्या आप घर बैठे पैसे कमाना चाहते हैं? वह कोई लिंक भी भेज सकता है। ऐसे में सावधान हो जाएं।
- बातचीत के दौरान व्यक्ति कुछ असामान्य बातें कर सकता है, जैसे कि आप मुझे बहुत पसंद हैं, क्या आप मुझसे कल मिल सकते/सकती हो? वो किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर भेजकर भी आपको अपनी तस्वीर भेजने का आग्रह कर सकता है।

बचाव जरूरी है

ऐसी फेक प्रोफाइल को फ्रेंड और फॉलोअर्स की सूची से हटा दें। सूची से हटाने के बाद प्रोफाइल की रिपोर्ट करके ब्लॉक कर दें। बात करते वक़्त कोई भी जानकारी साझा न करें।





शूटिंगसे भारत की झोली में आया एक और मेडल

टोयोटा । भारत की निशानेबाज ईशा सिंह ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अत्यधिक दबाव के बीच ईशा ने गजब के मानसिक संतुलन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान उन्हें कई बार कठिन शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और दृढ़ संकल्प के साथ दूसरा स्थान हासिल कर देश को गौरवान्वित किया। एशियन गेम्स में ईशा का यह तीसरा सिल्वर मेडल है। इससे पहले उन्होंने हांगजो 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में सिल्वर मेडल जीता था। ईशा ने 580-223 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए मुश्किल से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। हालांकि, मेडल राउंड शुरू होते ही भारतीय खिलाड़ी ने उस शुरुआती संघर्ष को पीछे छोड़ दिया और फाइनल की शुरुआत अपने पांच शॉट्स में पांच परफेक्ट हिट्स के साथ की। शुरुआती दौर में वह

लीडर्स में बनी रहीं, लेकिन टॉप पर मुकाबला बार-बार कड़ा होता रहा। चीन की जिओ जियारुइक्सुआन लगातार परफेक्ट सीरीज के साथ आगे बढ़ गई, जबकि उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक भी मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी रहीं। एलिमिनेशन राउंड में और भी उतार-चढ़ाव आए। तीन हिट्स के बाद ईशा स्टैंडिंग में नीचे खिसक गई, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 5/5 का स्कोर किया और खुद को मुकाबले में बनाए रखा। जब वियतनाम की ट्रिन्ह थू विन्ह बाहर हुई, तो भारतीय खिलाड़ी को मेडल पक्का हो गया।

इसके बाद ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला ईशा और किम के बीच शूट-ऑफ के एक असाधारण क्रम में बदल गया, क्योंकि दोनों 34 हिट्स पर बराबरी पर थीं। दोनों शूटर्स ने शुरुआत में तीन-तीन हिट्स किए, जिससे एक और शूट-ऑफ की स्थिति बन गई। एक तकनीकी रुकावट ने तनाव और बढ़ा दिया, जिसके बाद सिंगल-शॉट की स्थिति के साथ मुकाबला फिर से शुरू हुआ।

मैं जजों की गलतियों के लिए शुक्रगुजार हूं

आप इसे भगवान की कृपा कह सकते हैं: ईशा सिंह



टोयोटा । भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह ने कहा कि सोमवार को आइवी-नागोया एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल के दौरान आई अप्रत्याशित बाधाएं आखिरकार उनके पक्ष में रहीं। उन्होंने स्वीकार किया कि इन रुकावटों ने उन्हें बढ़ते दबाव और थकान से उबरने का जरूरी समय दिया, जिसकी बदौलत वे सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। 21 वर्षीय ईशा आठवें स्थान पर क्वालीफाई करने के बाद फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने एक उतार-चढ़ाव भरे मेडल राउंड का सामना किया, जिसमें कई शूट-ऑफ, तकनीकी रुकावटें और गोल्ड मेडल के लिए चीन की शियाओ जियारुइक्सुआन के साथ लंबी टक्कर शामिल रही। फाइनल शूट-ऑफ के बाद ईशा दूसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह अनुभव मेडल से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था। ईशा ने 'आईएनएस' से बात करते हुए कहा, 'यह अद्भुत था और मुझे पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। यह निश्चित रूप से मेरे अद्भुत अनुभवों की सूची में शामिल होगा। मैं हर पल के लिए आभारी हूं। हालांकि, यह घबराहट पैदा करने वाला था, फिर भी यह अद्भुत था।' भारतीय शूटर ने माना कि फाइनल के दौरान कई बार वह बाहर होने की कगार पर थीं।

संक्षिप्त

समाचार

एशियन गेम्स

एंसी सोजन ने 'लॉन्ग जंप' में जीता सिल्वर, चौथे स्थान पर रहीं शैली

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की एंसी सोजन ने महिलाओं की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीता। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए रोमांचक मुकाबले में चीन की हुआंग यिंगयिंग ने अपनी आखिरी जंप में 6.55 मीटर की दूरी तय करते हुए गोल्ड अपने नाम किया



और भारतीय खिलाड़ी को सिर्फ दो सेंटीमीटर से पछड़ा। शैली सिंह मुकाबले के ज्यादातर समय मेडल की दौड़ में बनी हुई थीं, लेकिन अंततः चौथे स्थान पर रहीं। एंसी ने अपनी पहली ही कोशिश में 6.49 मीटर की दूरी तय करते हुए गोल्ड मेडल की स्थिति बना ली थी, लेकिन उनकी दूसरी जंप फाउल करार दी गई। हालांकि, उनकी पहली कोशिश उन्हें मुकाबले के दौरान शीर्ष पर बनाए रखने के लिए काफी थी। दूसरी तरफ, शैली ने 6.25 मीटर के साथ शुरुआत करते हुए अपनी दूसरी कोशिश में 6.34 मीटर तक पहुंची। उन्होंने अपनी तीसरी जंप में भी वही दूरी तय की और तीन राउंड के बाद शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह बनाकर मेडल की दौड़ में बनी रहीं। चौथे राउंड में शीर्ष पर मुकाबला और कड़ा हो गया।

कुराश में पिंकी बल्हारा को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष

सेमीफाइनल में मिली हार

नागोया । भारत की पिंकी बल्हारा ने सोमवार को एशियन गेम्स 2026 में कुराश के -78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली पिंकी एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल मैच में साउथ कोरिया की मो सुमिन



से 0-5 से हार गई और गोल्ड मेडल के मुकाबले में जगह नहीं बना पाई। सेमीफाइनल में सुमिन का पिंकी के खिलाफ पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी को एक 'डक्की' (कुराश में दो चेतावनी) मिली। वहीं, सुमिन ने पहले आधा प्वाइंट (चाला) और बाद में 'योनबोश' (पूरा प्वाइंट) हासिल करके मुकाबला 5-0 से जीत लिया। पिंकी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में एक और साउथ कोरियाई खिलाड़ी लिम को 3-0 से हराया था। उन्होंने कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'चाला' (आधा प्वाइंट) हासिल किया, जबकि क्वार्टर फाइनल में लिम को 'तानबेख' (चेतावनी) मिली थी।



भारतीय महिला हॉकी टीम की बड़ी जीत, सिंगापुर को हराकर

सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेनल्टी कॉर्नर में भारत को करना पड़ा संघर्ष

नागोया। सुनेलिता टोप्पो के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के अपने अंतिम पूल बी मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंद दिया। महिला टीम का अब सेमीफाइनल में सामना कोरिया से होगा। भारत ने पांच मैच में पांच जीत के साथ पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब सेमीफाइनल 30 सितंबर को होगा। भारत के लिए कप्तान सलीमा टेटे (17वें मिनट), सुनेलिता (22वें, 24वें), लालरेमसियामी (26वें), रुतुजा दादसो पिसाल (29वें), निक्की प्रधान (35वें) और दीपिका (55वें) ने गोल किए।

भारत ने पुरे मुकाबले में लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन सिंगापुर की डिफेंस ने शुरुआती क्वार्टर में भारतीय हमलों को रोकने के लिए शानदार बचाव किया। भारत को पहले दो क्वार्टर में 15 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से सिर्फ तीन को गोल में बदल सकी। पहले तीन क्वार्टर तक भारत को कुल 24 पेनल्टी कॉर्नर मिले थे, जिनमें से केवल तीन पर गोल हो सका। इसके बावजूद भारतीय टीम ने लगातार आक्रमण जारी रखा और मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इस जीत के साथ भारत ने पूल बी में पांच मैचों में पांच जीत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। अब भारतीय महिला टीम 30 सितंबर को सेमीफाइनल में कोरिया का सामना करेगी। दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन की भिड़ंत मेजबान जापान से होगी।

भारत ने बनाए रखा दबदबा

गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान जापान से भिड़ेगा। सिंगापुर ने पहले क्वार्टर में भारत को कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारत ने दबदबा बनाए रखा। सिंगापुर ने भारत के शुरुआती आठ पेनल्टी कॉर्नर नाकाम किए। दूसरे क्वार्टर में सलीमा ने मैदानी गोल से भारत का खाता खोला। इसके बाद सुनेलिता ने दो गोल किए जबकि ललरेमसियामी और रुतुजा ने भी गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में निक्की ने भारत की बढ़त 6-0 कर दी। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम उन्हें गोल में बदलने में नाकाम रही। मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले दीपिका ने शानदार पिलक से सातवां गोल किया। पहले तीन क्वार्टर में भारत को 24 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन इनमें से केवल तीन को ही गोल में बदला जा सका। मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जिसमें दीपिका ने टीम का सातवां गोल किया।

कोहली ने वनडे में पूरे किए 15000 रन

ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मुकाबले में 59 रन पूरे करते ही विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। विराट कोहली से पहले यह उपलब्धि सिर्फ महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम थी। हालांकि, कोहली ने इस रिकॉर्ड को एक खास अंदाज में अपने नाम किया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के मुकाबले 74 पारियों कम खेलकर 15 हजार रन का आंकड़ा छू लिया।

सबसे तेज 15 हजार

विराट कोहली ने 15 हजार रन का आंकड़ा अपनी 303वीं पारी में हासिल किया। वहीं, सचिन तेंदुलकर को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 377 पारियां खेलनी पड़ी थीं। इस तरह विराट ने सचिन के रिकॉर्ड को 74 पारियों के अंतर से पीछे छोड़ दिया। कोहली पहले भी एकदिवसीय क्रिकेट में कई बड़े रिकॉर्ड सबसे तेज हासिल कर चुके हैं।

13 हजार रन का रिकॉर्ड भी तोड़ा था

विराट कोहली इससे पहले भी सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। साल 2023 में उन्होंने सिर्फ 267 पारियों में 13 हजार रन पूरे किए थे। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने 321 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब 15 हजार रन के मामले में भी कोहली ने सचिन का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है।

15 हजार रन के बाद भी जारी है रिकॉर्ड का सफर- विराट कोहली की नजर अब एकदिवसीय क्रिकेट के कई और बड़े आंकड़ों पर होगी। 15 हजार रन पूरे करने के साथ उन्होंने अपने शानदार करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली है।

भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

कोहली-गिल के शतक से सीरीज में बनाई बढ़त



भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 50 गेंद बाकी रहते 296 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

गिल का शतक

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 96 गेंदों पर शतक पूरा किया। गिल ने शानदार बल्लेबाजी की और कोहली के साथ साझेदारी जारी रखी। कोहली और गिल के बीच 100+ रनों की साझेदारी हो गई है।

रूस के साथ मैच

खेलेगी भारतीय

महिला फुटबॉल टीम

32 साल बाद भारत

आएगी रूसी टीम

कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम आठ और 11 अक्टूबर को फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो के दौरान किशोर भारती क्रीडांगन में रूस के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी। जून में रिकॉर्ड छठी बार सैफ



महिला चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद ये मुकाबले भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय मैच होंगे। अक्टूबर की यह विंडो 69वीं रैंकिंग



27वें स्थान पर है। 2016 के बाद पहली बार कोलकाता में खेलेगी महिला टीम- यह 2016 सैफ महिला चैंपियनशिप के बाद पश्चिम बंगाल में भारत का पहला मुकाबला भी होगा। सिलीगुड़ी में हुई सैफ महिला चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रूस की महिला टीम पिछली बार 1994 में आठ देशों के जयललिता कप में हिस्सा लेने के लिए भारत आई थी।

तिरुवनंतपुरम।

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट से जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज ने 295 रन बनाए थे, लेकिन विराट कोहली और शुभमन गिल के शतकों ने भारत के लिए लक्ष्य आसान कर दिया। कोहली ने नाबाद 139 और गिल ने 113 रन की पारी खेली। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार जीत दर्ज की। तिरुवनंतपुरम में खेले गए मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। विराट कोहली 139 और गायकवाड़ 13 रन बनाकर नाबाद रहे। विराट कोहली ने 42वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर लगातार दो छक्के जड़कर भारत को जीत दिला दी।

सेवा सेतु शिविर के माध्यम से मुरथल में एक ही छत के नीचे पहुंची 20 सरकारी योजनाएं

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज मुख्तल स्थित बीडीपीओ कार्यालय में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 20 सरकारी विभागों ने एक ही स्थान पर अपने स्टॉल लगाए और पात्र लाभार्थियों तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन एवं पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध करवाई।

हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन श्री मोहनलाल बड़ौली शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया तथा नागरिकों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर अपने स्वास्थ्य की जांच भी करवाई।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान किया तथा पात्र मामलों में मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध करवाई।

इस अवसर पर श्री मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि सेवा सेतु शिविरों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले हर नागरिक को सही जानकारी उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उसकी पात्रता के अनुसार आवेदन एवं पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने में हरसंभव सहयोग दिया जाए।

हरियाणा के ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा विस्तार

2 नए स्वास्थ्य केंद्र खुलेंगे, 2 काहुआ अपग्रेडेशन

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने दो मौजूदा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को अपग्रेड करने और दो नए स्वास्थ्य संस्थान स्थापित करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आमजन को उनके घर के नजदीक ही बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दी है।

इस फैसले के तहत फरीदाबाद जिले के ग्रामीण व शहरी सीमावर्ती क्षेत्रों को बड़ी राहत मिलेगी। फरीदाबाद के गाँव मंडावली स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र को अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। वहीं, गाँव पल्ला सेहतपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का इर्जा बढ़ाकर उसे 50 बेड की क्षमता वाले आधुनिक अर्बन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को आपातकालीन और विशिष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए दूर-दराज के बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

एनईपी के तहत उच्च शिक्षा में एनसीसी, एनएसएस, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों को मिलेगी अकादमिक मान्यता- शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक रूप से लागू करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में एक महत्वपूर्ण योजना की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे छात्रों के सर्वांगीण (360-डिग्री) विकास को बढ़ावा देने के लिए एनसीसी (एनसीसी) एनएसएस (एनएसएस) खेल एवं योगासन, सांस्कृतिक गतिविधियां, युवा रेड क्रॉस, इनक्यूबेशन और आउटरीच गतिविधियों को स्नातक (यूजी) व स्नातकोत्तर (पीजी) शैक्षणिक ढांचे के तहत औपचारिक मान्यता प्रदान की गई है।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह आदेश राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी राज्य विश्वविद्यालयों, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, स्व-निर्भरपोषित तथा निजी कॉलेजों के प्राचा्यों एवं प्रबंधनों पर समान रूप से लागू होंगे।

उन्होंने कहा कि इस क्रांतिकारी कदम से हरियाणा के युवाओं का न केवल मानसिक और बौद्धिक विकास होगा, बल्कि उनमें देश सेवा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता की भावना भी और मजबूत होगी।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि पारंपरिक किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक, सामाजिक और शारीरिक कौशल आज के युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। एनईपी का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों को केवल डिग्री धारक बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, अनुशासित और बहुमुखी प्रतिभा का धनी नागरिक बनाना है। अब तक खेल, योग, एनएसएस या एनसीसी जैसी गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों को अतिरिक्त अकादमिक लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन इस नई व्यवस्था के तहत इन गतिविधियों को उनके पाठ्यक्रम और क्रेडिट सिस्टम से जोड़ा जाएगा।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला बागवानी फसलों की खेती के लिए किसानों को मिलेगा भारी अनुदान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में बागवानी को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से 'बागवानी फसलों की खेती के लिए अनुदान प्रावधान' योजना लागू की गई है।

उद्यान विभाग हरियाणा के एक प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सरकार राज्य के किसानों को फल, सब्जी, फूल, मसाले और खुशबूदार पौधों की खेती करने पर भारी सब्सिडी प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत आवेदन और अनुदान की सीमा भी निर्धारित की गई है, जिसके अनुसार फलों के नए बाग लगाने तथा मसालों की खेती पर अधिकतम 5 एकड़ तक का लाभ लिया जा सकता है। वहीं सब्जियों की खेती के लिए सामान्य वर्ग के किसान अधिकतम 5 एकड़ तथा अनुसूचित वर्ग के किसान 1 एकड़ तक का लाभ ले सकते हैं, जबकि फूलों एवं खुशबूदार पौधों की खेती पर यह सीमा 5 एकड़ तक तय की गई है।

प्रवक्ता ने आगे अनुदान की राशि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नए बाग लगाने पर किसानों को 24,500 से 1,40,000 प्रति एकड़ तक का अनुदान दिया जाएगा। सब्जियों की खेती के लिए सामान्य वर्ग को 15,000 प्रति एकड़ तथा अनुसूचित वर्ग को 25,500 प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा, जो कि मल्टिचंग, लो टनल, ड्रिप या बांस की स्ट्रकिंग जैसे एकीकृत मॉडल अपनाने पर ही देय होगा। इसी प्रकार मसालों की खेती पर 15,000 से 30,000 प्रति एकड़, फूलों की खेती पर 8,000 से 40,000 प्रति एकड़ और खुशबूदार पौधों की खेती पर 8,000 प्रति एकड़ अनुदान का प्रावधान किया गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अनुदान की यह पूरी राशि सीधे लाभार्थी किसान के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए 'मेरी फसल-मेरा ब्यूरो' पोर्टल और 'हॉर्टनेट' (Hortnet) पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। इसके साथ ही आवेदकों के पास व्यक्तिगत विवरण, परिवार पहचान-पत्र, बैंक खाते का पूर्ण विवरण (खाता संख्या, बैंक नाम, शाखा व आईएफएससी कोड) तथा आवश्यक होने पर अनुसूचित वर्ग का प्रमाण-पत्र होना जरूरी है। उन्होंने राज्य के सभी इच्छुक किसानों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि विस्तृत जानकारी के लिए किसान अपने संबंधित जिला उद्यान अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं या फिर टोल-फ्री नंबर 1800-180-2021 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा विभागीय वेबसाइट www.hortharyana.gov.in अथवा ई-मेल horticulture@hry.nic.in के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

गांवों में लाइब्रेरी से लेकर इंडोर जिम तक, जनकल्याणकारी योजनाओं में गुणवत्ता और प्रभावी निगरानी पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिया जोर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे और योजनाओं की जमीनी स्तर पर प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिस का उद्देश्य केवल आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों, ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और आमजन को वास्तविक लाभ पहुंचाना होना चाहिए। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में सोमवार को राज्य सरकार के प्रमुख विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण, उद्यान, कृषि विपणन बोर्ड, विकास एवं पंचायत, सिंचाई एवं जल संसाधन तथा सहकारिता विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों और तकनीकी सुधारों की विस्तार से समीक्षा की गई।

खाद वितरण से लेकर भावांतर भरपाई तक,

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा उर्वरक वितरण प्रणाली (IFMS) को 'मेरी फसल मेरा ब्यूरो' (MFMB) पोर्टल से जोड़ने की पहल कार्यालयों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि वे नियमित रूप से खेतों में जाकर किसानों को ही POS मशीन के माध्यम से खाद उपलब्ध कराई जा रही है। इससे यूरिया एवं डीएपी की कालाबाजारी तथा औद्योगिक दुरुपयोग पर रोक लगाने में मदद मिली है। इस व्यवस्था के तहत 8 अक्टूबर 2025 से 14 सितंबर 2026

लगभग 35 करोड़ रुपये की लागत से पल्ला-सेहतपुर से बसंतपुर रोड बनेगा फोरलेन - राजेश नागर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने कहा कि जिला फरीदाबाद के तिगांव विधानसभा क्षेत्र में पल्ला-सेहतपुर से बसंतपुर जाने वाले प्रमुख मार्ग को फोरलेन बनाया जाएगा।

लगभग 35 करोड़ रुपये की लागत से 4.6 किलोमीटर से अधिक लंबे इस मार्ग का निर्माण किया जाएगा। फोरलेन बनने के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ लोगों को आवागमन में भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

श्री राजेश नागर ने बताया कि क्षेत्र के विकास और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पल्ला-सेहतपुर से बसंतपुर रोड को फोरलेन बनाने की मांग लंबे समय से क्षेत्र की जरूरत रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित फोरलेन मार्ग पर बस स्टॉप सहित अन्य



आवश्यक सुविधाएं भी होंगी, जिससे दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि सड़क के फोरलेन बनने से यातायात का दबाव कम कर आवागमन सुगम बनाने और क्षेत्र के विकास

को गति देने में मदद मिलेगी। साथ ही आसपास के इलाकों सेक्टर 35, 37, अशोका एनक्लेव, सराय ख्वाजा, मोरबंध, एत्मादपुर, आईपी कॉलोनी, बदरपुर, अगवानपुर डेरी आदि से कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

श्री राजेश नागर ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी और आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार विकास कार्यों को गति दी जा रही है और तिगांव विधानसभा क्षेत्र में भी लोगों की जरूरत के अनुरूप विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित किए जा रहे पोषण एवं एनीमिया जागरूकता अभियान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण एवं एनीमिया जागरूकता अभियान का आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए बच्चों, महिलाओं तथा आमजन को संतुलित पोषण, स्वस्थ खान-पान एवं एनीमिया की रोकथाम के संबंध में जागरूक किया गया।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में आमजन ने विभिन्न पोषण एवं एनीमिया जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए स्वस्थ एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बताया गया कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दैनिक आहार में आवश्यक पोषक तत्वों का उचित मात्रा में शामिल होना आवश्यक है। लोगों को एनीमिया के कारणों, लक्षणों एवं बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को नियमित आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, चना, सोयाबीन, गुड़ एवं तिल आदि पौष्टिक एवं आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन पर विशेष जोर दिया गया।

नशे के खिलाफ लड़ाई केवल आज के लिए नहीं, आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए है: कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान* के तहत नशा मुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार देर सायं जींद में स्थानीय पुलिस लाइन में नशा मुक्ति जागरूकता रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के सहयोग से पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी तथा हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ.

कृष्ण लाल मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

नशे के खिलाफ सामाजिक सहभागिता से बनेगा मजबूत वातावरण: मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल स्लोमन और नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी के साथ एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान का रूप देना होगा।

चंडीगढ़/हरियाणा / पंजाब



- ई-गवर्नेंस, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास में हरियाणा की पहलें बनीं बेस्ट प्रैक्टिस : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी**

किसानों को योजनाओं का पूरा लाभ सुनिश्चित करें

के बीच 820 करोड़ रुपये की सब्सिडी की बचत दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को केवल कार्यालयों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि वे नियमित रूप से खेतों में जाकर किसानों से संवाद करें और फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों, विशेषकर सुंडी आदि की समस्या कहां से शुरू हुई, इसके कारणों और समाधान पर वैज्ञानिक स्तर पर रिसर्च करें। उन्होंने कहा कि फसलों में कीट एवं रोगों की समय रहते पहचान कर

सर्किलॉस सिस्टम विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीक और नई फसल किस्मों पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष रिसर्च सेंटर स्थापित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में गन्ने सहित अन्य कृषि फसलों की नई एवं बेहतर वैरायटी विकसित करने तथा उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने पर रिसर्च की जाए। कृषि अनुसंधान को खेतों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाए, ताकि किसानों को इसका सीधा लाभ मिल सके।

आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना समिति की बैठक का मुख्य उद्देश्य: विपुल गोयल

नूह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में सुनौं 19 शिकायतें

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सितंबर -हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। अधिकारियों को चाहिए कि समिति की बैठकों में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। शिकायतों के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही न की जाए।

सोमवार को नूह में आयोजित समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री विपुल

महिला एवं बाल विकास विभाग ने दिए माँ और शिशु के उत्तम स्वास्थ्य के लिए विशेष दिशा-निर्देश

हिन्द जनपथ

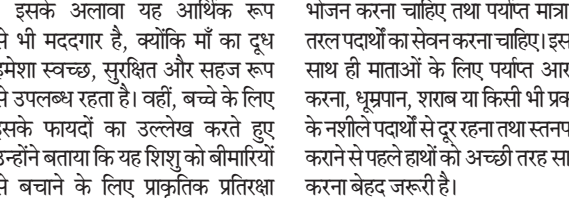
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नवजात शिशुओं और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य व पोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष 'स्तनपान जागरूकता' अभियान चलाया जा रहा है।

इस संबंध में विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि माँ का दूध बच्चे के लिए पहला टीका, पहला आहार और पहला प्यार है, जो शिशु के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि स्तनपान केवल बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि माँ के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। माँ को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि स्तनपान कराने से गर्भाशय का जल्दी सामान्य होने में मदद मिलती है, स्तन एवं अंडाशय के कैंसर का खतरा कम होता है, वजन घटाने में सहायता मिलती है तथा यह माँ और बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। इसके अलावा यह आर्थिक रूप से भी मददगार है, क्योंकि माँ का दूध हमेशा स्वच्छ, सुरक्षित और सहज रूप से उपलब्ध रहता है। वहीं, बच्चे के लिए इसके फायदों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यह शिशु को बीमारियों से बचाने के लिए प्राकृतिक प्रतिरक्षा

प्रदान करता है, मस्तिष्क के विकास में सहायक होता है और हर पोषक तत्व उचित मात्रा में प्रदान करता है। यह आसानी से पच जाता है, जिससे एलर्जी, दस्त और संक्रमण का खतरा कम हो जाता है, और यह हमेशा सुस्थित व तैयार आहार के रूप में उपलब्ध रहता है।

कब और कैसे स्तनपान कराया जाए, इस विषय पर प्रवक्ता ने विस्तृत गाइडलाइन साझा की। उन्होंने कहा कि जन्म के तुरंत बाद, यानी एक घंटे के भीत शिशु को स्तनपान शुरू करना देना चाहिए। इसके बाद शुरुआती 6 माह तक शिशु क केवल और केवल माँ का दूध ही पीना चाहिए। 6 माह पूरे होने के बाद उपयुक्त पूरक आहार की शुरुआत के साथ-साथ स्तनपान जारी रखना चाहिए और इसे बच्चे की 2 वर्ष या उससे अधिक उम्र तक जारी रखा जा सकता है।

स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए आवश्यक सुझाव देते हुए प्रवक्ता ने कहा कि माताओं को स्वयं स्वच्छ और पौष्टिक भोजन करना चाहिए तथा पर्याप्त मात्रा में तल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही माताओं के लिए पर्याप्त आराम करना, धूम्रपान, शराब या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों से दूर रहना तथा स्तनपान कराने से पहले हाथों को अच्छी तरह साफ करना बेहद जरूरी है।



गोयल ने कुल 19 शिकायतों की सुनवाई की। इनमें तीन पुरानी तथा 16 नई शिकायतें शामिल थीं। बैठक के दौरान 12 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि सात शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश के साथ अगली बैठक तक लंबित रखा गया।

गोव आकेड़ा निवासी एडवोकेट खुर्शीद द्वारा उठने घर के सामने व प्लॉट में गंदा पानी जमा होने की शिकायत पर कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी, कार्यकारी अभियंता पंचायती राज तथा समिति के सदस्य मनीष की कमेट्री गठित की गई। कमेट्री को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल ने अन्य विवादों की भी सुनवाई करते हुए अधिकारियों को उचित दिशा -निर्देश दिए।

पिंजौर में सेवा सेतु शिविर का आयोजन, 200 लाभार्थियों का पंजीकरण

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत आज बीडीपीओ कार्यालय, पिंजौर में सेवा सेतु शिवि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के तहत उपलब्ध करवाए जा रहे लाभों की जानकारी ली।

इस अवसर पर कालका के एसडीएम श्री संयम गर्ग, बीडीपीओ श्री विनय प्रताप, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री विशाल सैनी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री अजय मित्तल ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से बातचीत कर उनका फीडबैक

भी लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य

सरकार द्वारा समाज के हर वर्ग, विशेषकर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को ध्यान में रखते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को उनके घर-द्वार के नजदीक उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर पात्र लाभार्थियों को उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि उन्हें बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल ने अधिकारियों से भी कहा कि शिविर की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ त्वरित, पारदर्शी और सरल तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पात्र लाभार्थियों को उनके घर-द्वार के नजदीक सरकार की विभिन्न

विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाए।

उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही पंजीकरण कवाते हुए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाएं, ताकि उन्हें बिना आवश्यक देरी के योजनाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से सरकार का प्रयास है कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ त्वरित, पारदर्शी और सरल तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पात्र लाभार्थियों को उनके घर-द्वार के नजदीक सरकार की विभिन्न

अरमानों व सपने बुनने की उम्र में शहीद भगत सिंह ने “हंसते-हंसते और रंग दे बंसती चोला गाते-गाते” देश के लिए फांसी के फंदे को चूमा- ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने आज शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर अम्बाला छावनी के लघु सचिवालय में स्थापित शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर शत-शत नमन किया। उन्होंने "इंकलाब जिंदाबाद, शहीद-ए-आजम भगत सिंह अमर रहे" के नारे लगाकर उपस्थित लोगों में देशभक्ति का संचार भी किया।

ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी को पुष्पांजलि अर्पित करने, उन्हें शत-शत नमन करने के लिए उपस्थित हुए हैं। शहीद-ए-आजम भगत सिंह ने मात्र 23 वर्ष, 5 माह और 23 दिन की उम्र जोकि अरमानों की उम्र, सपने बुनने की उम्र होती है, उस उम्र में शहीद भगत सिंह ने हंसते-हंसते और रंग दे बसंती चोला गाते-गाते देश के लिए फांसी के फंदे को चूम लिया। श्री विज ने कहा कि भगत सिंह आज सशरीर हमारे बीच नहीं है, पर उनकी याद हर हिंदुस्तानी के दिल में है और हमें उनके सपनों का भारत बनाना है। हमें आज भी जो लड़ाई उन्होंने शुरू की वो जारी रखनी है, यह लड़ाई समाज में फैली गंदगी के खिलाफ, भ्रष्टाचार के खिलाफ इस देश को जैसा हमारे शहीद चाहते थे उतनी ही ऊंचाई पर ले जाना है।

ड्रोन निर्माण में रिसर्च पर फोकस कर हरियाणा को बनाएंगे ‘ड्रोन कैपिटल’: मुख्यमंत्री

आधुनिक और आत्मनिर्भर औद्योगिक क्षेत्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एचएसआईआईडीसी द्वारा प्रदेश में छह प्रमुख औद्योगिक मॉडल टाउनशिप विकसित की गई हैं। इनके अंतर्गत मानेसर आईएमटी लगभग 4,000 एकड़, बावल 3,300 एकड़, रोहतक 3,600 एकड़, सोहना 1,500 एकड़, फरीदाबाद 1,800 एकड़ तथा खरखौदा आईएमटी 3,200 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित की गई हैं। सरकार द्वारा इनमें दी जा सुविधाओं के मद्देनजर विरय स्तर की कंपनियां यहां अपने उद्योग लगाने की इच्छुक हैं। आईएमटी की बढ़ती मांग के मद्देनजर प्रदेश में पहले से स्थापित आईएमटी का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत खरखौदा आईएमटी

कि आईएमटी (औद्योगिक मॉडल टाउनशिप) मॉडल को अपनाने वाला हरियाणा देश का अग्रणी राज्य है जो यहां औद्योगिक विकास को नई गति देने वाली साबित होंगी। हरियाणा के इस मॉडल को देश के दूसरे राज्यों ने भी अपनाया है। आईएमटी को केवल उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इन्हें



स्टार्टअप को बढ़ावा देने, उद्योगों को प्लग एंड प्ले की सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के संबंध में अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया